Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 241 | गुरुवार, 10 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

कैबिनेट के अहम फैसले: रेलवे के सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर होंगे फोर-ट्रैक; कई रूटों पर बढ़ेगी क्षमता

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र द्र सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण पर लगातार जोर दे रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि आज की बैठक में रेलवे आधुनिकीकरण से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई। ये परियोजनाएं पिछले 12 वर्षों से चल रहे रेलवे के व्यापक बदलाव और आधुनिकीकरण के काम का हिस्सा हैं।

किन रेलवे रूटों पर होगा काम?

मंजूर की गई परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन और कटनी-पेंड्रा रोड सेक्शन में चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। इसके अलावा बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड सेक्शन में तीसरी लाइन बनाई जाएगी। सरकार के मुताबिक, अतिरिक्त रेल लाइन बनने से इन मार्गों की क्षमता बढ़ेगी। इससे ट्रेनों की आवाजाही बेहतर होने के साथ परिचालन दक्षता और सेवा की विश्वसनीयता में सुधार होगा। मल्टी-ट्रैकिंग से रेलवे परिचालन को सुचारु बनाने और भीड़भाड़ कम करने में भी मदद मिलेगी।

पांच राज्यों के 14 जिलों को मिलेगा फायदा?

ये तीनों परियोजनाएं पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों से होकर गुजरेंगी। परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। सरकार के अनुसार, इससे लगभग 4,790 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इन गांवों में करीब 56 लाख लोगों की आबादी है।

पीएम गति शक्ति के तहत कैसे आगे बढ़ेगा काम?

सरकार ने बताया कि इन परियोजनाओं की योजना पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है। इसका फोकस मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स क्षमता को बेहतर बनाने पर है। इसके लिए एकीकृत योजना और संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श को आधार बनाया गया है। इससे लोगों, सामान और सेवाओं की आवाजाही के लिए बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

पर्यटन स्थलों तक भी बेहतर होगी रेल कनेक्टिविटी?

इन परियोजनाओं से कई प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने की उम्मीद है। इनमें तारातारिणी मंदिर, श्री क्षेत्र जगन्नाथ मंदिर, बंधवगढ़ टाइगर रिजर्व, विराटेश्वर मंदिर, अमरकंटक मंदिर, ज्वालेश्वर धाम, अचानकमार टाइगर रिजर्व, खुटाघाट बांध, मल्हार पुरातात्विक स्थल और रतनपुर महामाया मंदिर समेत कई स्थान शामिल हैं।

सरकार के अनुसार, ये रेल मार्ग कोयला, सीमेंट, लोहा और इस्पात जैसी वस्तुओं की ढुलाई के लिए महत्वपूर्ण हैं। क्षमता बढ़ने के बाद माल ढुलाई में करीब 27 MTPA यानी 2.7 करोड़ टन सालाना अतिरिक्त यातायात की संभावना है। इससे इन मार्गों पर माल परिवहन की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पर्यावरण को भी होगा फायदा?

सरकार ने इन परियोजनाओं के पर्यावरणीय लाभों पर भी जोर दिया है। रेलवे को पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन माध्यम बताते हुए कहा गया कि इन परियोजनाओं से देश के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में मदद मिलेगी।

सरकार के मुताबिक, इससे करीब 12 करोड़ लीटर तेल आयात में कमी और लगभग 62 करोड़ किलोग्राम CO उत्सर्जन में कमी आने की संभावना है। यह पर्यावरणीय लाभ करीब 2.48 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर बताया गया है।

3-मल्टी ट्रैकिंग प्रोजेक्ट को भी मंजूरी

कैबिनेट समिति ने बुधवार को रेलवे मंत्रालय की तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दे दी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 10,783 करोड़ रुपये है। इनके पूरा होने के बाद भारतीय रेलवे के नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी।

गोल्डन क्वाड्रिलेटरल और उसके दोनों डायगोनल पर बढ़ेगी क्षमता

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली-मुंबई, मुंबई-चेन्नई, चेन्नई-कोलकाता और कोलकाता-दिल्ली मार्ग मिलकर गोल्डन क्वाड्रिलेटरल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली-चेन्नई और मुंबई-कोलकाता इसके दो डायगोनल हैं। इसके अलावा दिल्ली-गुवाहाटी कॉरिडोर भी इस योजना में शामिल है। इस तरह कुल सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को क्वाड्रुपल यानी चार-लेन किया जा रहा है। वैष्णव के मुताबिक, इन सभी परियोजनाओं पर चरणबद्ध तरीके से काम आगे बढ़ रहा है। फिलहाल करीब 4,000 किलोमीटर के हिस्से के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर पर क्या होगा काम?

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के पूर्ण ओवरहाल और आधुनिकीकरण की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके तहत सात हाई-डेंसिटी रेलवे कॉरिडोर को फोर-ट्रैक और क्वाड्रुपल करने की योजना है। इन कॉरिडोर पर ट्रैक क्षमता बढ़ाने का काम किया जाएगा, ताकि भविष्य में इन मार्गों पर बढ़ने वाले यातायात का दबाव संभाला जा सके।

सीएम योगी का वाराणसी में ऐलान: पूंजी की कमी से नहीं रुकेगा किसी महिला का सपना

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 9 सितंबर को वाराणसी के बाबतपुर-पिंडरा में आशा एजुकेशन ग्रुप कैंपस में आयोजित 'कामकाजी महिला सम्मान समारोह' में आंगनवाड़ी कार्यकताओं, रसोइयों, सफाई कर्मचारियों और आशा कार्यकताओं सहित कामकाजी महिलाओं को सम्मानित किया। वाराणसी के अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री का स्वागत महिलाओं की एक बड़ी भीड़ ने किया, जिन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट और गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर उनका अभिवादन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उन्होंने माताओं और बहनों की 'मातृ शक्ति' के जश्न की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि महिलाएं अपने योगदान के लिए सम्मानित और मूल्यवान महसूस करें। योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी की बढ़ती ग्लोबल पहचान पर जोर देते हुए कहा कि काशी के नाम से मशहूर यह शहर अपनी आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों को संजोए हुए है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पहचान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि काशी में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली विकास परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और पात्र परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने विधायक अवधेश सिंह के निर्वाचन क्षेत्र पिंडरा में हुए विकास कार्यों की सराहना की। महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार ने बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है और 'मिशन शक्ति' को इसके लिए एक अहम कार्यक्रम बताया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस में महिलाओं के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया है और प्रोविंशियल आर्म्ड कांस्टेबुलरी में महिला बटालियनें बनाई गई हैं, जिनका नाम तीन साहसी महिलाओं - रानी अवंतीबाई लोधी, वीरांगना उदा देवी और वीरांगना झलकारी बाई - के नाम पर रखा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य पुलिस में महिलाओं की संख्या 2017 से पहले के लगभग 10,000 से बढ़कर आज लगभग 45,000 हो गई है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करते हैं, उनके पास जेल या नर्क जाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं होगा।

नितिन नबीन-सीएम धामी ने हल्द्वानी में किया बीजेपी का बड़ा मंथन, संगठन मजबूती पर जोर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

हल्द्वानी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को हल्द्वानी के होटल विंटेज ग्रीन में पार्टी की विस्तारित राज्य कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में संगठनात्मक मुद्दों, पार्टी के जमीनी नेटवर्क को मजबूत करने और पूरे उत्तराखंड में सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की पहुँच बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने इसमें भाग लिया और बूथ-स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी पदाधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की रणनीतियों पर चर्चा की। बीजेपी नेतृत्व ने पूरे राज्य में जमीनी स्तर पर पार्टी की मौजूदगी को मजबूत करने की प्राथमिकताओं और रणनीतियों पर भी चर्चा की। यह बैठक इसलिए अहम है क्योंकि पार्टी अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और जन-कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचाने का लक्ष्य रखती है। मुख्यमंत्री धामी ने नितिन नबीन के हल्द्वानी दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि उनके राज्य के दौरे से पार्टी कार्यकताओं और आम जनता के बीच उत्साह और ऊर्जा का एक नया माहौल बना है। उन्होंने आगे कहा कि जब से नितिन नबीन ने हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर दौरे शुरू किए हैं, पार्टी कार्यकताओं और आम जनता के बीच एक नया माहौल बना है—एक ऐसा माहौल जो नए उत्साह और ऊर्जा से भरा हुआ है। धामी ने बताया कि नबीन पहले भी तीन दिन के दौरे पर उत्तराखंड आए थे। उस दौरान उन्होंने अलग-अलग स्तर के कार्यकताओं के साथ बातचीत, बैठकें और समीक्षाएं की थीं और समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी धामी के अनुसार, अपने मौजूदा दौरे के दौरान नबीन को बीजेपी की राज्य कार्यकारिणी समिति के साथ चर्चा करनी थी और उन्हें संबोधित करना था। साथ ही, दूसरे दिन उन्हें पूर्व सैनिकों और युवाओं से भी मिलना था। अपने दो दिन के कार्यक्रम के तहत उन्हें रुद्रपुर में पंजाबी-सिख समुदाय के एक सम्मेलन में भी शामिल होना था। धामी ने कहा कि इस कार्यक्रम से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पार्टी कार्यकताओं के साथ जुड़े रहेंगे और बातचीत का मौका मिलेगा।

'नौकरी छोड़ो या कब्र में जाओ': कश्मीरी पंडितों पर फिर छाया 1990 का काला साया

लश्कर-ए-तैयबा ने जारी की 7000 पंडितों की 'हिट-लिस्ट'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई में रहने वाले एक विस्थापित कश्मीरी पंडित ने इस भयावह स्थिति की तुलना 90 के दशक से करते हुए कहा, '1990 के दशक में भी आतंकियों का काम करने का तरीका यही था, बस तब इंटरनेट नहीं था। वे टाइप की हुई हिट-लिस्ट दीवारों पर चिपका देते थे। आज वे वही काम सोशल मीडिया और डार्क वेब के जरिए कर रहे हैं।' आरोप है कि उनके निजी फोन नंबर, घर के पते और गाड़ी के रजिस्ट्रेशन की जानकारी ऑनलाइन लीक हो गई है। आतंकवादियों की ओर से दी गई यह नई धमकी - जो एक महीने से भी कम समय में मिली कम से कम पांचवीं धमकी है - कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को चेतावनी देती है कि वे या तो अपनी नौकरी छोड़ दें या फिर जानलेवा नतीजों का सामना करें।

इंडिया टुडे डिजिटल ने 1 सितंबर को मिली धमकियों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं को समझने के लिए कश्मीरी पंडित एसोसिएशन , ऑल इंडिया कश्मीरी समाज और मुंबई व दिल्ली में रहने वाले कई ऐसे कश्मीरी पंडितों से संपर्क किया, जिनके परिवार घाटी में रहते हैं। KPA और AIKS के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, कश्मीरी पंडित समुदाय के जिन लोगों के परिवार अभी भी घाटी में रहते हैं, उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में ऐसी धमकियां बढ़ी हैं।

दिल्ली में रहने वाले एक कश्मीरी पंडित वकील, जिनके परिवार के लोग जम्मू में रहते हैं, ने इंडिया टुडे डिजिटल को बताया, 'मेरा परिवार सरकारी कर्मचारियों में शामिल नहीं है। हम एक कारोबारी परिवार हैं और इस बार धमकी सरकारी कर्मचारियों को दी गई है। लेकिन इससे इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि कश्मीर में कश्मीरी पंडितों के लिए हालात सुरक्षित नहीं हैं। घाटी में ऐसी धमकियां मिलना आम बात है।' 7 सितंबर (सोमवार) को पर एक पोस्ट में, समुदाय की आवाज मानी जाने वाली सबा कौल ने इस घटनाक्रम को 'सुरक्षा का एक बहुत बड़ा और चिंताजनक संकट' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि ULC ने 'पीएम पैकेज' के तहत काम करने वाले कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को सीधे तौर पर धमकी दी है। कौल के अकाउंट पर एक पोस्ट किया गया। यह अकाउंट वेरिफाइड है, एक वेरिफाइड फोन नंबर से जुड़ा है और 10 साल से ज्यादा समय से एक्टिव है। पोस्ट में दावा किया गया कि प्राइवेट फोन नंबर, घर के पते और गाड़ी के रजिस्ट्रेशन की जानकारी ऑनलाइन लीक हो गई है। साथ ही, कर्मचारियों को चेतावनी दी गई कि वे नौकरी छोड़ दें, वरना उन्हें जानलेवा नतीजों का सामना करना पड़ेगा।

कौल ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल के ऑफि स से अपील की कि वे इस घटना की जांच करें, जिसे उन्होंने 'बहुत बड़ी डेटा सेंधमारी' कहा, और जमीन पर काम कर रहे कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। एक दिन पहले राकेश हांडू ने भी इन चिंताओं को उठाया था। वे खुद को 'ढट पैकेज' का कर्मचारी और कश्मीर घाटी में 'ऑल PM पैकेज एम्प्लॉइज एसोसिएशन' से जुड़ा एक्टिविस्ट बताते हैं। हांडू ने 6 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा और J&K पुलिस की साइबर क्राइम विंग को एक शिकायत भेजी।

'आपकी हिम्मत कैसे हुई', सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर ग्रेटर नोएडा मजिस्ट्रेट ने भेजा छात्र को नोटिस

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रस्तावित प्रोटेस्ट में हिस्सा लेने वाले दूसरे साल के लॉ स्टूडेंट को शांति बनाए रखने का नोटिस भेजा था। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए ग्रेटर नोएडा मजिस्ट्रेट को फटकार लगाई है।

हालांकि ग्रेटर नोएडा मजिस्ट्रेट ने नोटिस वापस ले लिया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है, क्योंकि 1 सितंबर के देशव्यापी निर्देश में छात्रों के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई गई थी। मजिस्ट्रेट की कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए CJI ने कहा, 'कोई मजिस्ट्रेट नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे कर सकता है? हमने साफ कर दिया था कि किसी भी छात्र के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। कोई भी मजिस्ट्रेट उस आदेश का उल्लंघन नहीं कर सकता।'

सुप्रीम कोर्ट ने आज बुधवार, 9 सितंबर को ग्रेटर नोएडा के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने CJP प्रोसेस्ट में शामिल होने के लिए प्रचार करने वाले एक छात्र के खिलाफ 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' की धारा 130 के तहत जारी नोटिस पर सवाल उठाए। कोर्ट ने पूछा कि एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने यह नोटिस कैसे जारी किया, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी FIR को रद कर दिया था और CJP विरोध प्रदर्शनों को लेकर किसी भी छात्र के खिलाफ भविष्य में कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी थी।

यह मामला सीनियर एडवोकेट विश्वजीत भट्टाचार्य द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के ध्यान में मौखिक रूप से लाया गया।

राहुल गांधी, लाशों पर राजनीति न करें: सीएम मान का पलटवार, गुलजार सिंह आत्महत्या पर गर्माई सियासत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पंजाब। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी सरकार पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के हमले का जवाब दिया। यह हमला 47 वर्षीय किसान गुलजार सिंह की आत्महत्या के बाद किया गया था। मान ने उनसे कहा कि लाशों पर राजनीति न करें। वित्त मंत्री हरपाल चीमा से नशीली दवाओं की समस्या के बारे में सवाल पूछने वाले किसान सिंह की आत्महत्या के बाद गांधी ने पंजाब सरकार पर फिर से हमला बोला था।

''पर हिंदी में एक पोस्ट के जरिए गांधी को जवाब देते हुए मान ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में आरोपी को पहले ही गिरफ़्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी, लाशों पर राजनीति न करें; पंजाबियों को इस तरह की राजनीति पसंद नहीं है। एक वीडियो क्लिप शेयर करते हुए मान ने कहा कि इसे देखिए, जब कांग्रेस नेता पीड़ित के गाँव गए और इस तरह की गंदी राजनीति करने की कोशिश की, तो लोगों ने उन्हें वहाँ से खदेड़ दिया।

सिंह की कथित आत्महत्या के मामले में मान ने कहा कि पुलिस ने सभी आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने पंजाब में ड्रग्स की समस्या फैलने के लिए पिछली SAD-BJP और कांग्रेस सरकारों को ज़िम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार में किसी भी ड्रग तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा। सिंह के आखिरी पलों का एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें दिहाड़ी मजदूर चीमा से अपने इलाके में ड्रग्स की उपलब्धता के बारे में पूछता दिख रहा है। वह कह रहा है कि उसकी मौत के लिए सरपंच ज़िम्मेदार होगा और यह भी मान रहा है कि उसका बेटा भी ड्रग्स लेता था। संगरूर जिले के दिरबा के रहने वाले 47 वर्षीय दलित व्यक्ति गुलजार सिंह की सोमवार रात कथित तौर पर जहर खाने से मौत हो गई। उनके परिवार का कहना है कि उन्होंने 6 सितंबर को दिरबा में एक कार्यक्रम के दौरान चीमा से इलाके में ड्रग्स की सप्लाई के बारे में सवाल किया था।

संपादक की कलम

मिट्टी बचेगी, तभी खेती बचेगी

भारतीय कृषि अब एक नए युग की ओर अग्रसर है, जहाँ विकास का आकलन करने के लिए केवल वृद्धि ही एकमात्र मापदंड नहीं रह गया है। मिट्टी की घटती उर्वरता, भूजल की कमी, जैव विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तनशीलता और बढ़ती खेती लागत के कारण किसान और कृषि क्षेत्र पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। इस संदर्भ में, पुनयोर्जी कृषि एक आशाजनक मार्ग है। यह एक समग्र दृष्टिकोण है जो न केवल वर्तमान प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करेगा, बल्कि वास्तव में मिट्टी के स्वास्थ्य, जैव विविधता, जल प्रणालियों और पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों को बेहतर बनाकर कृषि उत्पादकता को बनाए रखेगा। मुख्य बात पुनयोर्जी कृषि पर ध्यान केंद्रित करना और कृषि के पारिस्थितिक स्तंभों को पुनर्स्थापित करना है। गहन खेती, रासायनिक इनपुट पर अत्यधिक निर्भरता और एक ही फसल की खेती के कारण पिछले कई दशकों से कुछ क्षेत्रों में पोषक तत्वों का असंतुलन और मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो गई है। पुनयोर्जी कृषि वह दृष्टिकोण है जिसमें जीवित मिट्टी कृषि उत्पादन का केंद्र होती है। खाद बनाना, हरी खाद का उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन और जैविक पदार्थों का उपयोग सहित मृदा प्रबंधन, मिट्टी की संरचना, उसकी प्रतिक्रियाशीलता और पोषक तत्व चक्रण को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। मिट्टी को ढककर रखने का सिद्धांत एक और महत्वपूर्ण पहलू है। मिट्टी आसानी से कटाव के कारण नष्ट हो जाती है, और अत्यधिक वाष्पीकरण या तापमान में अचानक बदलाव से भी क्षतिग्रस्त हो सकती है। मल्चिंग, आवरण फसलें और अवशेषों को मिट्टी में बनाए रखने से मिट्टी की सतह को बनाए रखने और नमी को बनाए रखने में मदद मिलती है। विशेष रूप से वर्षा आधारित और सूखाग्रस्त क्षेत्रों में, यह उपयोगी है क्योंकि इससे मिट्टी के स्वास्थ्य और नमी को बनाए रखने में सुधार होता है, जिससे फसलों पर सूखे की अल्पकालिक अवधि का प्रभाव कम हो जाता है। पुनयोर्जी कृषि यह भी समझती है कि जैव विविधता कृषि उत्पादकता के लिए एक बोझ नहीं बल्कि एक संपत्ति है। फसल विविधीकरण, कृषि वानिकी, मिश्रित खेती और एकीकृत कृषि प्रणालियों को लागू करके अधिक लचीले उत्पादन परिदृश्य विकसित किए जा सकते हैं। फसलों और पशुधन, मत्स्य पालन या वृक्षों के साथ प्रबंधित कृषि भूमि कृषि आय में विविधता लाने और पोषक तत्व चक्रण में सुधार करने में मदद कर सकती है। इस प्रकार की प्रणालियाँ लाभकारी कीटों और अन्य जीवों का समर्थन करने में भी मदद कर सकती हैं, बजाय इसके कि प्रणाली को अधिक कमजोर और कुछ मामलों में बाहरी इनपुट पर निर्भर बना दें। जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर यह बदलाव और भी महत्वपूर्ण हो गया है। वर्षा का पैटर्न अनियमित होता जा रहा है, लू की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं और सूखा एवं बाढ़ आम होती जा रही हैं। अनियमित वर्षा, लू, सूखा एवं बाढ़ तथा कीटों की बदलती आबादी भारतीय किसानों के सामने चुनौतियों को बढ़ा रही है। पुनयोर्जी पद्धतियों से मृदा में कार्बनिक कार्बन, जल धारण क्षमता और जैविक गतिविधि में वृद्धि होती है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रति सहनशीलता विकसित करने में मदद मिल सकती है। फसल विविधता से किसी एक फसल को जलवायु परिवर्तन के झटके से होने वाली कुल कृषि आय के नुकसान के जोखिम को कम किया जा सकता है। इसी प्रकार, एकीकृत कृषि विभिन्न उत्पादन स्रोतों से उत्पन्न आर्थिक जोखिमों को कम कर सकती है। यह बदलाव जल प्रबंधन का अभिन्न अंग होना चाहिए। सिंचाई अभी भी ताजे पानी की सबसे बड़ी खपत करने वाली प्रणालियों में से एक है और यह अनिवार्य है कि सिंचाई कुशलतापूर्वक की जाए। जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिंचाई) को पुनयोर्जी मृदा प्रबंधन के साथ प्रयोग किया जा सकता है।

ललित शर्मा
संपादक

देश में घूम रहे लाखों दिमागी नफरती 'स्वतंत्र'

निर्मल रानी
लेखिका

इन दिनों स्वतंत्र भारद्वाज नामक एक 21 वर्षीय नवयुवक अपने कुछ अति नफरती पॉडकास्ट की वजह से चर्चा में है। मूल रूप से बिहार के दरभंगा के ग्रामीण परिवेश में पला बढ़ा यह नवयुवक दिल्ली विश्वविद्यालय का छात्र भी रहा है। वह खुद को कट्टर हिंदुत्ववादी विचारधारा से जुड़ा हुआ बताता है और कई हिंदू संगठनों और गोरक्षकों के साथ मिलकर सक्रिय रूप से काम भी करता रहा है। पिछले दिनों इसने एक यूट्यूब चैनल के पॉडकास्ट में अपना संगीन जुर्म कुबूल करते हुये जो खुलासे किये और जिसतरह नफरत का जहर उगला वह देश के शांतिप्रिय समाज को हैरान करने वाले थे। पॉडकास्ट में स्वतंत्र भारद्वाज ने बड़ी ही बेबाकी और गर्व के साथ हंसते हुए यह दावा किया कि उसने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन काक्रोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान निशु आजाद के पिता संजय कुमार का सिर फोड़ दिया था। उसने यह भी कहा कि पीड़ित को गंभीर चोट आई थी और लगभग 60 टांके लगे थे। उसने आगे कहा कि ऐसी चोट पर अमूमन धारा 307 (हाफ मर्डर/हत्या का प्रयास) लगती है। फिर उसने बड़ी शान से कहा कि 'बंदा एम्बुलेंस से अस्पताल जा रहा था', लेकिन वह खुद अगले ही दिन बाहर आ गया और उसे एक रात भी जेल में नहीं बितानी पड़ी। इसी पॉडकास्ट में उसने यह दावा भी किया कि पीएम मोदी, बीजेपी नेता कपिल मिश्रा और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान आदि उसके 'बड़े भाई' जैसे हैं। उसका कहना था कि इन बड़े नेताओं और रसूखदारों के फोन आने पर और उनकी पैरवी के दबाव में दिल्ली पुलिस ने उसे छोड़ दिया था। उसने पॉडकास्ट में छात्रा व एक्टिविस्ट निशु आजाद को भी धमकाते हुए कहा कि 'अब निशु अगला टारगेट है और सारी फील्डिंग सेट है'। स्वतंत्र भारद्वाज ने इंटरव्यू के दौरान मुस्लिम समुदाय के प्रति अपनी गहरी नफरत भी जाहिर की थी। उसने कहा कि वह मौका खोजता है कि कोई मुस्लिम गलती करे तो वह उनका 'इलाज' करे। उसने गोल टोपी और दाढ़ी वाले लोगों को लेकर बेहद आपत्तिजनक और विवादित बयान भी दिए थे। आज देश की धर्मनिरपेक्षता व संविधान का सम्मान करने वाला देश का एक बड़ा वर्ग भले ही 'स्वतंत्र' की बातों व उसके दुस्साहस का विरोध क्यों न कर रहा हो परन्तु इसके बावजूद भी चंद नफरती दक्षिणपंथी लोगों का समूह

उसके समर्थन में भी नजर आया। इस नफरती जहरीले युवक को काग्रेस, राहुल गाँधी, काक्रोच जनता पार्टी कार्यकर्ताओं व सांसद चंद्रशेखर आजाद जैसे लोगों के भारी दबाव व प्रदर्शन के बाद फिलहाल गिरफ़्तार किये जाने की खबर है। किसी दक्षिणपंथी व्यक्ति के नफरत और आपराधिक कुबूलनामे का यह पहला वीडिओ नहीं है। याद कीजिये गुजरात दंगों के बारे में साल 2007 में 'तहलका' पत्रिका के पत्रकार आशीष खेतान द्वारा किए गए 'ऑपरेशन कलंक' नामक स्टिंग ऑपरेशन में, बजरंग दल के तत्कालीन गुजरात प्रमुख बाबू बजरंगी उर्फ बाबूभाई पटेल ने कैमरे पर 2002 के नरोदा पाटिया नरसंहार में अपनी सीधी भूमिका और बेहद खौफनाक अपराधों में अपनी संलिप्तता को इसी तरह कुबूल किया था। बाबू बजरंगी ने बड़ी ही क्रूरता और गर्व के साथ हंसते हुए और छाती ठोककर स्वीकार किया था कि उसने नरोदा पाटिया में लोगों को बेरहमी से काटा और जिंदा जलाया था। उसने कहा था, 'हमें मारने में बहुत मजा आया... ऐसा लगा जैसे हम महाराणा प्रताप हैं।' उसने कैमरे पर दावा किया था कि उसने कौसर बानो नामक एक नौ महीने की गर्भवती मुस्लिम महिला के पेट को तलवार से चीर दिया था। उसने बताया था कि कैसे दंगाइयों की भीड़ ने नरोदा पाटिया इलाके को चारों तरफ से घेर लिया था ताकि कोई भी मुस्लिम बचकर भाग न सके।

उसने पूरे इलाके को आग के हवाले करने की बात भी स्वीकार की थी। बजरंगी ने कबूल किया था कि गोधरा कांड का बदला लेने के लिए उसने खुद रिवॉल्वर, तलवारें और हथियार बांटे थे। उसने अपनी एक गन फैक्ट्री होने और वहां बड़ी मात्रा में डीजल बम तथा पाइप बम बनाकर हिंदुओं को सप्लाई करने की बात भी कही थी। उसने यह दावा भी किया था कि दंगों के दौरान राज्य की पुलिस मूकदर्शक बनी रही और उनका पूरा साथ दे रही थी। उसने यह भी दावा किया था कि दंगों के बाद जब उसकेखिलाफ मामले दर्ज हुए, तो तत्कालीन मुख्यमंत्री (नरेंद्र मोदी) ने उसे सुरक्षित जगहों पर छिपने और कानूनी राहत दिलाने में मदद की थी। इसी ऑन-कैमरा कबूलनामे और अन्य चश्मदीदों के बयानों को मुख्य आधार बनाकर ही अदालत ने 2012 में बाबू बजरंगी को दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जिसे बाद में गुजरात हाई कोर्ट ने भी बरकरार रखा। यह और बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने उसे मार्च 2019 में खराब स्वास्थ्य और मेडिकल ग्राउंड पर सशर्त जमानत दे दी थी। जेल प्रशासन और डॉक्टरों की रिपोर्ट के मुताबिक बाबू बजरंगी की आंखों की रोशनी लगभग 100 प्रतिशत खत्म हो चुकी है और वह पूरी तरह से दृष्टिहीन हो चुका है। साथ ही उसकी बायपास सर्जरी भी हो चुकी है। इसी खराब शारीरिक स्थिति को आधार बनाते हुए अदालत ने उसे मानवीय आधार पर रिहा करने का आदेश दिया था। इसके अलावा साल 2023 में गुजरात दंगों से ही जुड़े नरोदा गाम नरसंहार मामला में भी कोर्ट ने बाबू बजरंगी सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। नरोदा पाटिया मामले में उसकी दोष सिद्धि बरकरार है, लेकिन वह जेल से बाहर अपनी जमानत की अवधि पर है। आज देश की धर्मनिरपेक्षता व संविधान का सम्मान करने वाला देश का एक बड़ा वर्ग भले ही 'स्वतंत्र' की बातों व उसके दुस्साहस का विरोध क्यों न कर रहा हो पांच इसके बावजूद भी चंद लोगों का समुह उसके समर्थन में भी नजर आया। इस 'नफरती गिरोह' को आखिर खाद पानी कहाँ से मिलता है ? यही वह 'दिमागी नफरती' के संरक्षक हैं जिन्होंने समय समय पर कभी माया कोडनानी को तो कभी बाबू बजरंगी को कभी जयदीप पटेल तो कभी प्र'ाद गोसा व दयाभाई पटेल जैसे गुजरात दंगों के 67 प्रमुख आरोपी सत्ता के सहारे बचाए गए। यही वह नफरती तंत्र है जिसकी वजह से एहसान जाफरी को ज़िंदा जला देने वाले बिपिन पटेल और पुलिस निरीक्षक के जी एर्दा आदि सब बाइज्जत बरी हो गए। इसी के द्वारा बेस्ट बेकरी काण्ड में 14 मासूमों को जलाकर खाक कर देने वाले सभी बरी हो गए थे। इसी नफरती तंत्र ने बिल्किस बानो के 11 सजायाफ़्ता बलात्कारी रिहा कर दिए थे जिसे भारी जनाक्रोश के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पुनः जेल भेजा। दरअसल देश की सामाजिक एकता व सद्भाव को तहस नहस करने वाले सत्ता संरक्षित यही भारतीय दक्षिणपंथी हैं। ऐसे हिंसक एजेंडे वाले सभी संगठनों व समूहों को भंग करने और कानून के अनुसार उनपर मुकदमा चलाने की जरूरत है। यदि हम गाँधी के विचारों का भारत चाहते हैं तो हमें अपनी बहुलवादी समन्वयवादी परंपरा पर ऐसे हमलों को शांतिपूर्ण ढंग से नकारने के लिए बौद्धिक रूप से सुसज्जित और नैतिक रूप से तैयार एक नागरिक समाज की आवश्यकता है।

हम इतने सभ्य हैं कि जहर भी बाँटकर देते हैं

प्रो. आरके जैन
लेखक

हमारे देश में परोपकार की भावना बड़ी प्रबल है। आदमी अपने लिए समय न निकाले, पर दूसरों को धुआँ देने का समय जरूर निकाल लेता है। सिगरेट पीने वाला केवल खुद धुआँ नहीं पीता, आसपास के लोगों को भी मुफ्त में पिला देता है। खर्च एक का, जहर सबका–यही पैसिव स्मोकिंग है। लैंसेट पब्लिक हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारत में 3 लाख 25 हजार 600 लोगों की मौत इसी 'मुफ्त सेवा' से हुई, जबकि 1990 में यह संख्या 2 लाख 17 हजार 700 थी। तीस वर्षों में मौतों में करीब पचास प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। बेरोजगारी और महँगाई से जूझते देश में मौत का यह कारोबार भी बेखटके चल रहा है–न दुकान चाहिए, न लाइसेंस। धुआँ बड़ा लोकतांत्रिक है–उसे अमीर-गरीब, अपना-पराया कुछ नहीं दिखता। बस साँस लेता इंसान चाहिए। वह दरवाजा नहीं खटखटाता, सीधे फेफड़ों में उतर जाता है।

हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, सीओपीडी, अस्थमा, टाइप-2 डायबिटीज और स्तन कैंसर तक इससे जुड़े हैं। भारत में करीब 44 करोड़ 40 लाख लोग इसकी चपेट में हैं। चीन के बाद दुनिया में दूसरा स्थान हमारा है। महिलाओं पर असर अधिक है, क्योंकि वे घर में ज्यादा समय बिताती हैं। 2023 में पैसिव स्मोकिंग से 1 लाख 56 हजार 900 महिलाओं और 1 लाख 68 हजार 700 पुरुषों की मौत हुई। धुआँ बराबरी करता है–साँस सबकी जाती है, धुआँ कोई और छोड़ता है।

बच्चों को हम देश का भविष्य कहते हैं और उसी भविष्य के सामने सिगरेट जला देते हैं। उनके फेफड़े अभी बन रहे होते हैं, मगर धुआँ तभी से अपना असर दिखाने लगता है। निचले श्वसन संक्रमण और अस्थमा का खतरा बढ़ता है। गर्भवती महिला के आसपास का धुआँ गर्भस्थ बच्चे को भी प्रभावित कर सकता है। डॉक्टरों के अनुसार पैसिव स्मोकिंग से हृदय संबंधी मौत का खतरा 20 से 25 प्रतिशत बढ़ जाता है। फिर भी घर में

इसे बीमारी नहीं, 'माहौल' कहा जाता है। चाहे बच्चे खाँसें, आँखें जलें, साँस लेने में तकलीफ हो–माहौल खराब नहीं होना चाहिए। सिगरेट बुझ जाए तो ठीक, परिवार की समझ बुझ जाए तो कोई बात नहीं।

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के कानून मौजूद हैं। बोर्ड लगे हैं, चेतावनियाँ लिखी हैं, नियम भी बने हैं–बस पालन करने वाला आदमी नहीं मिलता। रेस्तराँ के कोने में धुआँ उठता है, दफ्तर के गलियारे में सिगरेट जलती है, बस स्टैंड पर धुआँ फैलता है और कानून दीवार पर टँगा सब देखता रहता है। कभी-कभी पुलिसकर्मी भी सिगरेट पीते दिख जाते हैं। उनसे पूछिए कि धूम्रपान कैसे रोकेंगे, तो शायद कहें–पहले अपनी सिगरेट खत्म कर लेने दीजिए। कानून बनाना आसान है, लागू करना कठिन। इस धुएँ ने भारत के 9.28 मिलियन विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष छीन लिए। मगर फाइल में यह नुकसान बड़ा सभ्य दिखाई देता है।

घर में धूम्रपान की अपनी सरकार होती है। पिता जी सिगरेट पी रहे हैं, बच्चा पास में पढ़ रहा है और माँ रसोई में खाना बना रही है। धीरे-धीरे घर में हवा कम, धुआँ ज्यादा हो जाता है। फिर भी इसे 'घर का मामला' कह दिया जाता है। अपना धुआँ दूसरों का भी अपना मान लिया जाता है। बच्चा कहे कि धुआँ परेशान करता है, तो उसे बड़ों की इज्जत करना सिखाया जाता है–मानो इज्जत का मतलब धुएँ में चुपचाप साँस लेना हो। सिगरेट पीने वाले की आजादी बचाने के लिए परिवार की साँस की आजादी कुर्बान कर दी जाती है। यह घरेलू लोकतंत्र है–वोट सबका, फैसला एक का।

अस्पताल में यह विडंबना और भयावह हो जाती है। मरीज कहता है–'डॉक्टर साहब, मैंने जिंदगी में सिगरेट को हाथ तक नहीं लगाया।' डॉक्टर रिपोर्ट देखते हैं और शरीर पर धूम्रपान के असर पाते हैं। मृत्यु प्रमाण-पत्र में हृदयाघात या कोई दूसरी बीमारी लिखी जाती है, पर कहानी में वह धुआँ भी मौजूद होता है, जिसे मृत व्यक्ति ने कभी जलाया ही नहीं था। दुनिया भर में करीब 2.71 अरब लोग पैसिव स्मोकिंग की चपेट में हैं और 2023 में करीब 16.6 लाख (1.66 मिलियन) मौतें इससे जुड़ी थीं। भारत इस समस्या में पीछे नहीं है। यहाँ आँकड़े भी तेजी से बढ़ते हैं। फर्क बस इतना है–आँकड़े नहीं मरते, आदमी मरता है। धुएँ का हिसाब अस्पताल में ही नहीं खुलता। बीमारी आई तो दवा, अस्पताल का बिल, काम से छुट्टी और परिवार की आय में कमी–सब साथ आते हैं। सरकार स्वास्थ्य बजट बढ़ाती है, पर धुएँ से होने वाले आर्थिक नुकसान का पूरा हिसाब सामने नहीं आता। यह उस चोर जैसा है जो रोज घर से कुछ चुराता है और घरवाला हर बार नया सामान खरीदता है, चोर को नहीं रोकता। धुआँ भी रोज स्वास्थ्य चुराता है–पहले साँस, फिर ताकत, फिर काम करने की क्षमता और कभी-कभी जीवन। हम इलाज पर खर्च करते हैं, पर बीमारी की जड़ रोकने पर उतने गंभीर नहीं। मानो आग बुझाने का बजट बढ़ाना जरूरी हो, आग लगने से रोकना नहीं।

पैसिव स्मोकिंग केवल धूम्रपान करने वाले की आदत नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी का सवाल है। साफ हवा हर इंसान का अधिकार है, मगर हमने उसे भी किसी की निजी मेहरबानी समझ लिया है। एक आदमी सिगरेट जलाता है और कई लोग उसकी कीमत अपनी सेहत से चुकाते हैं। घर में बच्चा, बाहर राहगीर, दफ्तर में सहकर्मी–किसी ने धुआँ माँगा नहीं, फिर भी सबके हिस्से में आ जाता है। सिगरेट जलाने वाला शायद इसे अपना अधिकार समझे, लेकिन दूसरे की साँस पर अधिकार किसने दिया? आखिर कब तक किसी की आदत के धुएँ में किसी और का जीवन घुटता रहेगा? सवाल सिगरेट का नहीं, उस संवेदना का है जो हमें यह समझाए कि किसी की साँस पर किसी दूसरे का अधिकार नहीं हो सकता।

अन्न का सम्मान

किशन भावनानीं

कविता

दुनियाँ में कितने लोग आज भी भूखे सो जाते हैं,
कितने घरों के चूल्हे बिना जले रह जाते हैं,
इसलिए हर निवाले से पहले मालिक का शुक्र करो,
जो मिला है थाली में, उसका दिल से सम्मान करो।

न खाने में नुक़्स निकालो, न अन्न को ठुकराओ,
हर दाने में मालिक की नेमत का नूर पाओ,
जिस अन्न से जीवन चलता, उसका मान करो,
हर निवाले को मालिक की रहमत जान करो।

मंडी से जो दाना निकलता, वो भी अरदास करता है,
'हे मालिक! किस मुख में जाऊँ?' यही सवाल करता है,
'मुझे सद्बुद्धि वाले इंसान के मुख में डालना,
मेरे जीवन को नेक कर्मों से सफल बनाना।'

'विकारों से भरे मनुष्य का हिस्सा मुझे न बनाना,
लोभ, क्रोध और अहंकार के मुख में मुझे न डालना,
जिसके कर्मों में नेकी हो, उसके घर मुझे पहुँचाना,
जिसके दिल में इंसानियत हो, उसी का अन्न बनाना।'

इसलिए मन के विकारों से हर पल दूर रहो,
अन्न का सम्मान करो और मालिक का शुक्र करो,
किशन दाने की अरदास को जीवन का संदेश बनाओ,
सद्बुद्धि, सद्कर्म इंसानियत से जीवन सफल बनाओ।

राजनीति का नशा: सत्पुरुष को भी मदांध, भ्रष्टाचारी और अपराधी बना देता है

एनके शर्मा
लेखक

राजनीति का नशा शराब, अफीम या किसी मादक पदार्थ से कहीं अधिक खतरनाक होता है। शराब पीने वाला व्यक्ति कुछ घंटों के लिए अपना विवेक खोता है, लेकिन सत्ता का नशा व्यक्ति से धीरे-धीरे उसका विवेक, संवेदना, नैतिकता और अंततः उसका मनुष्यत्व तक छीन सकता है। सबसे भयावह बात यह है कि इसकी शुरूआत अक्सर अपराधी मानसिकता से नहीं, बल्कि सेवा, परिवर्तन और जनकल्याण के पवित्र संकल्प से होती है। सत्ता की सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते वही व्यक्ति, जो कभी व्यवस्था बदलने का सपना देखता था, एक दिन व्यवस्था का सबसे निर्मम चेहरा बन जाता है।

राजनीति अपने मूल स्वरूप में समाज को दिशा देने की कला होनी चाहिए, लेकिन जब राजनीति सत्ता प्राप्त करने और उसे किसी भी कीमत पर बचाए रखने का माध्यम बन जाती है, तब लोकतंत्र धीरे-धीरे जनतंत्र से सत्तातंत्र में बदलने लगता है। सत्ता व्यक्ति को केवल अधिकार नहीं देती, वह उसे अवसर भी देती है–और अवसर का चरित्र इस बात से तय होता है कि व्यक्ति के भीतर नैतिकता कितनी मजबूत है। जिस क्षण सत्ता के सामने सिद्धांत झुकने लगते हैं, उसी क्षण पतन की पहली सीढ़ी उतर जाती है।

राजनीति का नशा व्यक्ति को यह भ्रम देने लगता है कि वह जनता का प्रतिनिधि नहीं, जनता का मालिक है। उसे लगता है कि चुनाव में मिली विजय नैतिकता का प्रमाणपत्र है; बहुमत उसे हर निर्णय का औचित्य दे देता है; भीड़ की जय-जयकार उसे आलोचना से ऊपर समझने लगती है। धीरे-धीरे प्रश्न पूछने वाला शत्रु, पत्रकार विरोधी, आंदोलनकारी देशद्रोही और असहमति रखने वाला व्यक्ति विकास-विरोधी घोषित होने लगता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी त्रासदी तब होती है, जब सत्ता आलोचना को अपने विरुद्ध षड्यंत्र समझने लगती है।

इतिहास इस भ्रम की कीमत बार-बार चुका चुका है। दुनिया के अनेक देशों में सत्ता के मद ने निर्वाचित नेताओं को निरंकुश शासकों में बदल दिया। कहीं राष्ट्रवाद के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताएं कुचली गईं, कहीं सुरक्षा के नाम पर निगरानी बढ़ी, कहीं विकास के नाम पर विस्थापन हुआ और कहीं भ्रष्टाचार को राजनीतिक संरक्षण ने संस्थागत रूप दे दिया। सत्ता का चेहरा बदलता रहा, भाषा बदलती रही, झंडे और विचारधाराएं बदलती रहीं, लेकिन सत्ता के नशे की मनोवृत्ति लगभग एक जैसी रही–पहले स्वयं को अपरिहार्य समझना, फिर स्वयं को अचूक समझना और अंततः स्वयं को कानून से ऊपर समझ लेना।

भ्रष्टाचार हमेशा रिश्वत की मेज पर पैदा नहीं होता। भ्रष्टाचार का सबसे खतरनाक रूप तब जन्म लेता है जब व्यक्ति अपने पद का इस्तेमाल निजी अहंकार, परिवार, मित्रों, समर्थकों और राजनीतिक भविष्य के लिए करने लगता है। सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग तो भ्रष्टाचार है ही, लेकिन संस्थाओं को अपने प्रभाव में लेना, नियुक्तियों में पक्षपात करना, जांच एजेंसियों का चयनात्मक इस्तेमाल, विरोधियों को डराना, मीडिया को प्रभावित करना और प्रशासन को राजनीतिक हितों के लिए मोड़ना भी लोकतांत्रिक भ्रष्टाचार के ही रूप हैं।

सत्ता का नशा एक और खतरनाक परिवर्तन करता है–वह अपराध और राजनीति के बीच की सीमा को धुंधला कर देता है। जब किसी राजनीतिक व्यक्ति को यह विश्वास हो जाता है कि उसके पास इतना प्रभाव है कि कानून उसके दरवाजे तक पहुंचने से पहले ही रुक जाएगा, तब अपराध केवल व्यक्तिगत विकृति नहीं रहता; वह सत्ता-संरक्षित संस्कृति का हिस्सा बन जाता है। अपराधीकरण का वास्तविक खतरा यही है कि अपराधी राजनीति में प्रवेश नहीं करता, बल्कि राजनीति धीरे-धीरे अपराधी प्रवृत्तियों को वैधता देने लगती है। और यही वह बिंदु है जहां सत्पुरुष भी बदल सकता है। सत्ता व्यक्ति के चरित्र को हमेशा नष्ट नहीं करती, लेकिन वह उसके चरित्र की कमजोरियों को असाधारण शक्ति जरूर दे देती है। जिसके भीतर थोड़ा अहंकार है, उसमें वह अहंकार साम्राज्य बन सकता है। जिसके भीतर थोड़ा लालच है, वह सार्वजनिक धन को निजी अवसर समझ सकता है। जिसके भीतर थोड़ी प्रतिशोध भावना है, वह राज्य की शक्ति को बदले का औजार बना सकता है। इसलिए समस्या केवल बुरे लोगों के राजनीति में आने की नहीं है; समस्या यह भी है कि अच्छी नीयत वाला व्यक्ति सत्ता की निरंकुश संरचना में जाकर बुरा बनने से कैसे बचे। लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है–सत्ता पर निरंतर निगरानी, संस्थाओं की स्वतंत्रता, कानून का समान शासन, नागरिकों की गरिमा, प्रेस की स्वतंत्रता और असहमति के अधिकार की रक्षा। जिस लोकतंत्र में पांच वर्ष में एक बार वोट तो डाला जाए, लेकिन शेष समय सवाल पूछने की अनुमति न हो, वहां चुनाव जीवित हो सकता है, लोकतंत्र नहीं। दुनिया आज सूचना और तकनीक के ऐसे दौर में है जहां सत्ता जनता को प्रभावित करने के पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली साधन रखती है। सोशल मीडिया पर प्रचार, कृत्रिम रूप से निर्मित जनमत, राजनीतिक ध्रुवीकरण, दुष्प्रचार और डिजिटल निगरानी ने सत्ता और नागरिक के संबंध को और जटिल बना दिया है। अब सत्ता केवल भाषणों से नहीं, एल्गोरिद्म से भी जनता की धारणाओं को प्रभावित कर सकती है। ऐसे समय में राजनीतिक नैतिकता पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गई है। सबसे बड़ा खतरा वह नेता नहीं है जो खुलेआम भ्रष्ट है; उससे भी बड़ा खतरा वह नेता है जो भ्रष्टाचार को राष्ट्रहित की भाषा में प्रस्तुत करना सीख जाता है। सबसे खतरनाक अपराधी वह नहीं जो अपराध करता है; बल्कि वह है जो कानून, राष्ट्रवाद, धर्म, जाति, विकास या सुरक्षा की आड़ में अपने अपराध को नैतिकता का आवरण पहना देता है। जब अपराधी स्वयं को उद्धारक घोषित कर देता है और भीड़ उसके अपराध पर ताली बजाने लगती है, तब समाज का नैतिक पतन सत्ता के पतन से कहीं अधिक गहरा हो जाता है। इसलिए राजनीति को केवल राजनेताओं के भरोसे छोड़ देना लोकतंत्र के साथ सबसे बड़ी भूल है। जनता को भी यह समझना होगा कि जो नेता सवालों से डरता है, वह भविष्य में जवाबदेही से भी डरेगा; जो अपने समर्थकों के अपराध को नजरअंदाज करता है, वह कल उनके अपराधों का राजनीतिक संरक्षण भी कर सकता है; और जो सत्ता में रहते हुए स्वयं को कानून से ऊपर समझता है, वह सत्ता से बाहर होने पर भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं को स्वीकार नहीं करेगा। राजनीति में आदर्शवाद जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है संस्थागत नियंत्रण। किसी व्यक्ति की ईमानदारी पर लोकतंत्र निर्भर नहीं रह सकता। लोकतंत्र की सुरक्षा ऐसी संस्थाओं से होती है जो ईमानदार व्यक्ति को भी निरंकुश बनने से रोकें और भ्रष्ट व्यक्ति को भी कानून से बचने न दें। सत्ता का चरित्र व्यक्ति से नहीं, व्यवस्था से नियंत्रित होना चाहिए।

अंततः राजनीति का असली परीक्षण यह नहीं है कि कोई व्यक्ति सत्ता में रहते हुए कितना शक्तिशाली हुआ; असली परीक्षण यह है कि वह सत्ता में रहते हुए कितना जवाबदेह रहा। महान नेता वे नहीं हैं जिनके सामने भीड़ सिर झुकाती है, बल्कि वे हैं जो स्वयं संविधान, कानून और नैतिकता के सामने सिर झुकाते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

सपा सांसद रामजी लाल सुमन को बदनौली गांव के बाहर रोका, कार्यकर्ताओं का हंगामा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। बदनौली गांव में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद गोली लगने से घायल दीपक की मौत के मामले में बुधवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन पीड़ित परिवार से मिलने गांव पहुंचे। पुलिस ने उन्हें गांव के बाहर ही रोक दिया। सांसद को रोके जाने पर सपा कार्यकताओं ने हंगामा किया और पुलिस से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। इस दौरान हापुड़-मोदीनगर रोड पर जाम की स्थिति बन गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। रामजी लाल सुमन के बदनौली पहुंचने की सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन पहले से सतर्क था। छिजारसी टोल पर भी भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। हालांकि, सुमन दिल्ली से मेरठ बाईपास होते हुए भोजपुर पहुंचे और वहां से सीधे मोदीनगर रोड के रास्ते बदनौली गांव पहुंच गए।

गांव के बाहर मुख्य सड़क पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर सांसद के काफिले को रोक दिया। इसके बाद सपा कार्यकताओं और पुलिस के बीच कहासुनी शुरू हो गई। सांसद पीड़ित परिवार से मुलाकात किए बिना वापस जाने को तैयार नहीं थे। काफी देर तक गहमागहमी और हंगामे की स्थिति बनी रही। इसके बाद पुलिस और प्रशासन ने पीड़ित परिवार के सदस्यों को गांव के बाहर ही बुला लिया। मृतक दीपक के पिता, भाई और चाचा गांव के बाहर सांसद से मिलने पहुंचे। रामजी लाल सुमन ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और घटना को लेकर जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। सांसद ने परिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलवाने और आर्थिक मदद का आश्वासन भी दिया। परिजनों से मुलाकात के दौरान रामजी लाल सुमन ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जंगलराज कायम है और कानून व्यवस्था चौपट है। इसी वजह से इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी उनके साथ है और न्याय की लड़ाई में हर संभव सहयोग किया जाएगा। करीब डेढ़ घंटे तक बदनौली में रहने के बाद रामजी लाल सुमन दिल्ली लौट गए। इस दौरान सपा छात्रसभा के जिलाध्यक्ष रविंद्र यादव, पदम सिंह, रमन जाटव, मनोज जाटव, उमेश जाटव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। बदनौली गांव में घटना के छठे दिन भी भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस ने बाहरी लोगों को पीड़ित परिवार की गली की ओर जाने से रोक रखा है। मीडिया कर्मियों को भी बैरिकेडिंग तक ही जाने की अनुमति दी जा रही है। पुलिस-प्रशासन की ओर से इसके पीछे गांव में तनावपूर्ण माहौल का हवाला दिया जा रहा है। गोलीकांड के मामले में पुलिस ने 13 नामजद और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

तहसील प्रशासन के खिलाफ भाकियू का अनिश्चितकालीन धरना जारी, किसानों ने मुंशफी से निकाला ट्रैक्टर मार्च

वेलकम इडिया/महमूद रजा

बिजनौर/नजीबाबाद। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन ब्लॉक नजीबाबाद की मासिक पंचायत तहसील परिसर में संपन्न हुई। इस दौरान भाकियू के बैनर तले किसानों ने तहसील प्रशासन के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया।

दोपहर 12 बजे मुंशफी से ट्रैक्टर मार्च शुरू हुआ जो कृष्णा चौराहा, माल गोदाम, गुरुद्वारा होते हुए तहसील परिसर पहुंचा। धरने में भारी संख्या में यूनियन के पदाधिकारी व किसान मौजूद रहे। सुरक्षा को देखते हुए तहसील परिसर में भारी पुलिस बल तैनात रहा। यूनियन पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि तहसील प्रशासन किसानों का कोई भी काम समय पर नहीं करता। दाखिल-खारिज के नाम पर किसानों को तहसील के चक्कर काटने पड़ते हैं। वन विभाग, तहसील विभाग और विद्युत विभाग किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रहे हैं और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। दिनांक 09/09/2026 को शासन-प्रशासन से पहले दौर की वार्ता विफल रही। शाम 4 बजे तक किसी अधिकारी द्वारा किसानों से वार्ता नहीं की गई, जिसके बाद धरने को अनिश्चितकाल के लिए जारी रखने का ऐलान किया गया। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष अजय बालियान, तहसील अध्यक्ष नजीबाबाद धर्मेंद्र कुमार, प्रदेश सचिव दिनेश कुमार, सत्यम तोमर, सोनू गिरिराज, अवनीश कुमार, मदन चौहान, नरदेव, वीरेश राणा, महेंद्र सिंह मुकुल, अभिषेक, दुष्यंत, सौरभ, पंकज, सूरज सिंह, अमित, नीटू सहित भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

बदनौली हत्याकांड: आज पीड़ित परिवार से मिलेंगी नसीम बेगम

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना क्षेत्र के गांव बदनौली में जाटव समाज के दीपक उर्फ गोलू की हत्या के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग के बीच गाजियाबाद की जिला पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत अध्यक्ष पद की पूर्व प्रत्याशी नसीम बेगम आज अपने समर्थकों के साथ बदनौली पहुंचेंगी।

नसीम बेगम पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी लेंगी तथा परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाएंगी। उन्होंने कहा कि बदनौली के जाटव समाज और पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा रहना उनकी जिम्मेदारी है। साथ ही वह घटना की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी उठाएंगी। नसीम बेगम पूर्व विधायक असलम चौधरी की पत्नी हैं तथा समाजवादी पार्टी की प्रदेश सचिव के रूप में भी कार्यरत हैं।

जेनरेशन जेड से लगातार संवाद कर रहे भाजपा युवा नेता प्रिंस पंडित

आधुनिक भारत की संभावनाओं से रूबरू कर सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए कर रहे प्रेरित

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता प्रिंस पंडित जेनरेशन जेड के युवाओं के साथ लगातार संवाद स्थापित कर रहे हैं। वह युवाओं के बीच पहुंचकर उनकी सोच, जिज्ञासाओं और भविष्य से जुड़े विषयों पर खुलकर बातचीत कर रहे हैं। साथ ही उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने और उपलब्ध अवसरों का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रिंस पंडित पूर्व में भी कई बार अपने आवास पर जेनरेशन जेड के युवाओं के साथ संवाद कर चुके हैं। इसके अलावा वह विभिन्न स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों से बातचीत करते रहे हैं। इन संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से वह नई पीढ़ी के विचारों को समझने के साथ उनकी जिज्ञासाओं और भविष्य से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा करते हैं। संवाद के दौरान आज के आधुनिक भारत, शिक्षा, तकनीक, रोजगार, नई संभावनाओं और देश के विकास में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की जाती है। प्रिंस पंडित युवाओं को बताते हैं कि बदलते दौर में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि देश और दुनिया में हो रहे बदलावों, नई तकनीकों और रोजगार के उभरते अवसरों की जानकारी भी जरूरी है।

उनका कहना है कि भारत तेजी से बदल रहा है और नई पीढ़ी के सामने आगे बढ़ने के लिए पहले की अपेक्षा कहीं अधिक अवसर मौजूद हैं। ऐसे में युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता को पहचानकर सही दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और रचनात्मक सोच का सकारात्मक उपयोग देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रिंस पंडित के अनुसार जेनरेशन जेड तकनीक और डिजिटल माध्यमों से काफी तेजी से जुड़ी हुई पीढ़ी है। ऐसे में युवाओं के साथ सीधे संवाद स्थापित कर उनके विचारों को समझना और उन्हें सही मार्गदर्शन देना जरूरी है। वह युवाओं को शिक्षा के साथ कौशल विकास, रोजगार के नए क्षेत्रों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं।

स्कूलों में विद्यार्थियों के साथ होने वाले संवाद में पढ़ाई और करियर के साथ-साथ देश के वर्तमान परिवेश, नई तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा की जाती है। वहीं आवास पर होने वाले संवाद में युवा अपने सवाल और विचार खुलकर रखते हैं, जिन पर प्रिंस पंडित उनके साथ चर्चा करते हैं। जेनरेशन जेड के साथ उनका लगातार संवाद युवाओं और नई पीढ़ी के बीच विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम बन रहा है। हापुड़ क्षेत्र में युवाओं से जुड़ने और उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने की यह पहल युवाओं के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। उनके इस प्रयास को नई पीढ़ी को समझने और उसे रचनात्मक दिशा देने की पहल के रूप में देखा जा रहा है।

महेशगंज में अवैध पटाखा निर्माण का खुलासा, एक व्यक्ति गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुंडा/प्रतापगढ़। कौशाम्बी पटाखा प्रकरण के बाद चल रही सघन जांच के दौरान महेशगंज थाना क्षेत्र के माघी चैनगढ़ स्थित पूर्व लाइसेंस प्राप्त पटाखा फैक्ट्री में अवैध रूप से पटाखे रखने और निर्माण किए जाने का मामला सामने आया। क्षेत्राधिकारी सदर मनोज कुमार सिंह रघुवंशी व एसडीएम कुंडा के नेतृत्व में थाना महेशगंज पुलिस ने छापेमारी कर मो. हमजा पुत्र खलील अहमद (28 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मौके से 2650 मिर्ची पटाखे, फन्टा पटाखा 5, कुरकरी 1 और पार्टी पेपर पटाखा 7 पीस समेत तराजू, लोहे की चलनी और पांच तसले बरामद किए गए। बरामद पटाखों को नियमानुसार निष्प्रयोज्य कराया गया। बताया गया कि फैक्ट्री का लाइसेंस नवीनीकरण नहीं हुआ था और वर्तमान में वैध नहीं था। गिरफ्तारी के आधार पर थाना महेशगंज में मु0अ0सं0 227/2026, धारा 125 बीएनएस एवं विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

किसानों एवं सहकारी समितियों से जुड़े मुद्दों पर हुई महत्वपूर्ण बैठक

बी-पैक्स बक्सर की व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर पवन हूण गुर्जर ने रखीं प्रमुख मांगें

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, गाजियाबाद के मुख्य कार्यालय, आरडीसी स्थित सभागार में जनपद हापुड़ की सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं सचिवों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों एवं सहकारी समितियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में सहकारी समितियों के जर्जर गोदामों की मरम्मत, वर्ष 2025-26 के किसानों को ब्याज अनुदान के वितरण सहित किसान हित से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। अधिकारियों एवं समिति पदाधिकारियों ने किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सहकारी समितियों को मजबूत बनाने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया।बैठक के दौरान भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिलाध्यक्ष एवं बी-पैक्स बक्सर के अध्यक्ष पवन हूण गुर्जर ने बी-पैक्स बक्सर समिति से संबंधित विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने समिति परिसर में भराव कराने, परिसर में निर्मित दुकानों की मरम्मत कराने तथा समिति की बाउंड्री कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूरा होने से समिति की व्यवस्थाओं में सुधार होगा और किसानों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। बैठक की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, गाजियाबाद के सभापति कृष्णवीर सिंह ने की। इस अवसर पर सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, हापुड़ हिमांशु कुमार, अपर आयुक्त एवं अपर निबंधक सहकारिता, मेरठ मंडल विकास कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, गाजियाबाद संदीप सिंह, अपर जिला सहकारी अधिकारी रहीस उज्जमा सहित जनपद हापुड़ की विभिन्न सहकारी समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव मौजूद रहे।बैठक में किसानों की समस्याओं के समाधान, सहकारी समितियों को सुदृढ़ बनाने तथा किसानों को समय पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई किए जाने पर विशेष जोर दिया गया।

चेकिंग के दौरान हाफिजपुर पुलिस ने अवैध चाकू के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने के लिए हापुड़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हाफिजपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया है।थाना प्रभारी अतुल चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध अभियुक्त को रोककर तलाशी ली, जिसके कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध संबंधित धाराओं में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध हथियार रखने एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आया युवक, मौके पर मौत

वेलकम इडिया/महमूद रजा

बिजनौर/जलालाबाद। राहुखेड़ी कोरा राजारामपुर निवासी मो. आमिर पुत्र नसीम की बुधवार सुबह दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। बताया गया कि मो. आमिर सुबह करीब 7:30 बजे राहुखेड़ी से दूध लेकर अपने घर वापस लौट रहा था। जलालाबाद रेलवे ट्रैक पर खंभा संख्या 1498/18 के पास पटरी पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। परिजनों द्वारा पंचनामा की कार्रवाई कराए जाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए नहीं भेजा गया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए परिवार को ढांढस बंधाया।

वरिष्ठ अधिवक्ता इरशाद अहमद के आशीर्वाद से युवा वकीलों की नई पारी का आगाज

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट परिसर में बार काउंसिल ऑफ दिल्ली में हाल ही में नामांकित हुए युवा अधिवक्ताओं के लिए आत्मीय और गरिमापूर्ण अवसर देखने को मिला। अपने विधिक करियर की नई शुरूआत करने वाले युवा अधिवक्ता वरिष्ठ अधिवक्ताओं का आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने सुप्रीम कोर्ट परिसर पहुंचे। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने युवा अधिवक्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें न्याय एवं विधि के क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता इरशाद अहमद ने नव-नामांकित अधिवक्ताओं चौधरी सैफुल्लाह, मोहम्मद इनाम और मोहम्मद अतीफ को अपने हाथों से अधिवक्ता बैंड पहनाकर उनके नए पेशेवर सफर का स्वागत किया। वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा अपने हाथों से बैंड पहनाना युवा अधिवक्ताओं के लिए सम्मान, स्नेह और वरिष्ठों के मार्गदर्शन का विशेष क्षण रहा। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता इरशाद अहमद ने युवा अधिवक्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वकालत केवल एक पेशा नहीं, बल्कि न्याय, संविधान और समाज के प्रति महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने युवा अधिवक्ताओं को निरंतर अध्ययन, कड़ी मेहनत, ईमानदारी और पेशेवर नैतिकता को अपने करियर का आधार बनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता सबा खान, आलोक कुमार समेत अन्य अधिवक्ता भी उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने नव-नामांकित वकीलों के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हें विधिक पेशे की गरिमा बनाए रखने तथा न्याय की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दिया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने कहा कि न्यायपालिका और अधिवक्ता समुदाय में युवा पीढ़ी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। नए अधिवक्ता अपनी प्रतिभा, ज्ञान और मेहनत के बल पर न केवल अपने पेशेवर भविष्य को मजबूत कर सकते हैं, बल्कि न्याय व्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं। वहीं, नव-नामांकित अधिवक्ताओं चौधरी सैफुल्लाह, मोहम्मद इनाम और मोहम्मद अतीफ ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वरिष्ठों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने न्याय व्यवस्था की गरिमा, संविधान के मूल्यों और अधिवक्ता पेशे की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान एक युवा अधिवक्ता ने वरिष्ठ अधिवक्ता इरशाद अहमद को पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। पुस्तक भेंट किए जाने का यह अवसर वरिष्ठ-जूनियर संबंधों में सम्मान और आत्मीयता का प्रतीक रहा। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने नव-नामांकित अधिवक्ताओं के सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित यह अवसर युवा अधिवक्ताओं के लिए न केवल सम्मान का क्षण रहा, बल्कि विधिक पेशे में जिम्मेदारी, अनुशासन, नैतिकता और न्याय के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी बना।

पंचायत सहायकों ने विभिन्न मांगों को लेकर किया शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन, ब्लॉक प्रमुख -बीडीओ को सौंपा गया ज्ञापन

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर/नजीबाबाद। बिजनौर विकास खंड नजीबाबाद में तैनात पंचायत सहायकों ने अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर मंगलवार 09-09-2026 को शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया। इस संबंध में पंचायत सहायकों ने ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल, विकास खंड नजीबाबाद दीपक कुमार तेवतिया को लिखित सूचना दी है। ज्ञापन में कहा गया है कि जब तक संगठन द्वारा धरना-प्रदर्शन चलता रहेगा, तब तक संगठन के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा समस्त विभागीय/पंचायती कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। साथ ही इस अवधि में किसी भी सदस्य द्वारा उपस्थिति दर्ज नहीं की जाएगी तथा ग्राम पंचायत कार्यालय/कार्यालयीन कार्य भी संचालित नहीं किया जाएगा। मांगों के समाधान एवं संगठन द्वारा धरना समाप्त किए जाने के उपरांत ही पुनः अपने कार्यों का निर्वहन किया जाएगा। ज्ञापन पर विशाल कुमार, ललित, अतुल, मृत्युंजय, फरहीन अंजुम, गौतम कुमार, सौरभ कुमार, अमित, अरुण सिंह, लवीता परमार, अंशिका, सरताज, लायका परवीन समेत समस्त पंचायत सहायक संघ, विकास खंड नजीबाबाद के सदस्यों के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदेश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनपदों में डिस्ट्रिक्ट स्पेशल सेल गठित किए गए हैं: डॉ. धकाते

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। उन्होंने बताया कि 01 अप्रैल 2026 से देशभर में लागू इस नियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर उत्तराखंड में शहरी एवं ग्रामीण स्थानीय निकायों के स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि नए नियमों में कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के साथ-साथ सर्कुलर इकोनॉमी, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, रिसाइक्लिंग एवं संसाधनों के पुनः उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है। इस मौके पर सहायक निदेशक पीआईबी देहरादून से श्री संजीव सुन्दरियाल एवं निदेशक शहरी विकास

श्री प्रवीण कुमार भी मौजूद रहें। डॉ. धकाते ने बताया कि वर्ष 2016 के नियमों में कचरा पृथक्करण की तीन श्रेणियां निर्धारित थीं, वहीं नए नियमों में चार श्रेणियों यथा गीला कचरा, सूखा कचरा, सैनिटरी कचरा और विशेष देखभाल वाला कचरा पृथक्करण का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि 2,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल, प्रतिदिन 40 हजार लीटर से अधिक जल खपत अथवा प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक ठोस कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानों में से किसी एक मानक को पूरा करने वाले प्रतिष्ठान बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में आएंगे। ऐसे संस्थानों का पंजीकरण तथा कचरे के प्रसंस्करण और रिसाइक्लिंग की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निदेशों के क्रम में प्रदेश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक जनपद में डिस्ट्रिक्ट स्पेशल सेल गठित किए गए हैं। इन सेल के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण स्थानीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, डंपिंग साइट और लीगेसी वेस्ट के निस्तारण की लगातार निगरानी की जा रही है। लीगेसी वेस्ट के निस्तारण को दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। डॉ धकाते के अनुसार - वर्तमान में राज्य में लगभग शत प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण किया जा रहा है। चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण को ध्यान में रखते हुए लगभग 500 वाहनों में चार कम्पार्टमेंट की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही डिजिटल व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम लागू किया गया है, जिससे कचरा संग्रहण वाहनों की निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि राज्य में प्रतिदिन लगभग 1,930 मीट्रिक टन ठोस कचरा उत्पन्न हो रहा है, जबकि करीब 1,800 मीट्रिक टन कचरे का प्रतिदिन प्रसंस्करण किया जा रहा है। प्लास्टिक कचरे का भी पृथक रूप से प्रसंस्करण किया जा रहा है। कचरा संग्रहण व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए 657 नए वाहन खरीदे जा रहे हैं, जिनमें लगभग 480 ई-वाहन भी शामिल हैं। राज्य में वर्तमान में 22 इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, लगभग 50 मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी तथा 600 से अधिक वेस्ट कम्पोस्टर संचालित हैं। इस दौरान अधिकारियों ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के सफल क्रियान्वयन के लिए नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों, जिला प्रशासन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा आमजन की सामूहिक भागीदारी को आवश्यक बताया।

बरसाना में राधा अष्टमी उत्सव को लेकर प्रशासन सतर्क, सुगम दर्शन और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जनपद मथुरा के ऐतिहासिक तीर्थ स्थल बरसाना में आगामी 18 और 19 सितंबर को आयोजित होने वाले राधा अष्टमी उत्सव को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। उत्सव के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन और सुरक्षित दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज बरसाना डाक बंगले में एक समन्वय गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह बैठक पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत और अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डॉ. अमरेश कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं: प्रवेश व्यवस्थाः राधारानी मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश के लिए श्रीजी गेट और लाडो गेट (दोनों तरफ की छोटी व बड़ी सीढ़ियों) से व्यवस्था की गई है। निकास मार्गः दर्शन के पश्चात श्रद्धालुओं की निकासी केवल एक दिशा में जयपुर मंदिर की तरफ से होगी। क्राउड मैनेजमेंटः भीड़ के सुचारू संचालन के लिए बॉक्स फॉर्मेशन में श्रद्धालुओं का मूवमेंट कराया जाएगा।

सुरक्षा तैनातीः संपूर्ण मेला क्षेत्र को विभिन्न जोन व सेक्टर में विभाजित कर प्रशासनिक एवं पुलिस बल का व्यापक स्तर पर डेप्लॉयमेंट किया जाएगा। गोष्ठी के उपरांत अधिकारियों ने मेला क्षेत्र का स्थली निरीक्षण कर सुरक्षा और व्यवस्थाओं से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार सिंह, अधिशासी अधिकारी कल्पना बाजपेई और प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सुव्यवस्थित तरीके से दर्शन करने की अपील की है।

17 सितंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा ब्रज के राजा दाऊजी महाराज का जन्मोत्सव, प्रशासन से जन्माष्टमी जैसी व्यवस्थाओं की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। ब्रज के राजा भगवान दाऊजी महाराज का जन्मोत्सव बलदेव छठ इस वर्ष 17 सितंबर को बलदेव में श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। जन्मोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन से जन्माष्टमी पर्व की तर्ज पर सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं की व्यापक व्यवस्थाएं करने की मांग युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा ने जिला प्रशासन से की है।

बलदेव छठ के अवसर पर मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे और दूर-दराज से श्रद्धालु भगवान दाऊजी महाराज के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। ऐसे में मंदिर क्षेत्र और प्रमुख मार्गों पर भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल, चिकित्सा, साफ-सफाई तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की आवश्यकता है। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन से अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग, सुगम यातायात व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय रखने की मांग की गई है।

जन्माष्टमी पर दर्शन करने आया था परिवार, पांच माह के बच्चे को उठा ले गए पति-पत्नी

मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर दर्शन करने आए उन्नाव के दंपती के पांच माह के बेटे सूर्या मिश्रा को मंगलवार तड़के अगवा कर लिया गया। पीड़ितों का आरोप है कि खुद को पति-पत्नी बताने वाले युवक-युवती वारदात को अंजाम देकर भाग गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं, जिसमें आरोपी बच्चे के साथ कैद हुए हैं। हाईवे पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। उन्नाव के पाठकपुर निवासी देवशंकर मिश्र (28) अपनी पत्नी गौरी मिश्रा, तीन वर्ष की बेटी प्रिया और पांच माह के बेटे सूर्या मिश्रा के साथ चार सितंबर को मथुरा आए थे। छह सितंबर को वृंदावन से मथुरा लौटने के बाद देवशंकर परिवार समेत जंक्शन रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार के बाहर यात्री प्रतीक्षालय में रुक गए। यहीं उनकी मुलाकात खुद दंपती बताने वाले युवक-युवती से हुई। आरोपियों ने देवशंकर के परिवार से दोस्ती कर ली और रात में उनके पास ही सोने लगे।

स्थानीय युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा का कहना है कि जिस तरह जन्माष्टमी पर मथुरा में व्यवस्थाएं की जाती हैं, उसी तरह बलदेव छठ पर भी प्रशासन को पहले से तैयारियां पूरी कर लेनी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बलदेव छठ ब्रज की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है और इस दिन बलदेव नगरी में विशेष उत्सव का माहौल रहता है।

मथुरा रिफाइनरी टाउनशिप के आवासीय क्वार्टरों पर मंडरा रहा खतरा

जर्जर आवासों में रहने को विवश कर्मचारी, प्रबंधन की चुप्पी पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। इंडियन ऑयल मथुरा रिफाइनरी की टाउनशिप में रहने वाले कर्मचारियों और उनके परिवारों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। टाउनशिप के कई जर्जर आवासीय सैक्टरों के क्वार्टर हादसों को दावत दे रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद रिफाइनरी प्रबंधन पूरी तरह मौन साधे हुए है। हाल ही में पिछले महीने टाउनशिप के एक आवासीय क्वार्टर का छज्जा गिरने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इस दुर्घटना के बाद भी प्रबंधन की नींद नहीं टूटी है। स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश और भय का माहौल है कि क्या प्रबंधन दिल्ली के 'सत्य निकेतन' जैसी किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है। चर्चा यह भी है कि कहीं 'कॉस्ट कटिंग' (लागत में कटौती) के चक्कर में कर्मचारियों की जान से खिलवाड़ तो नहीं किया जा रहा है। खतरनाक हो चुके इन आवासीय क्वार्टरों को लेकर रिफाइनरी प्रबंधन आईआईटी रुड़की की आरएलए रिपोर्ट का हवाला दे रहा है। अगस्त महीने की शुरूआत में ही यह रिपोर्ट आ जानी चाहिए थी, लेकिन रिपोर्ट आने में हो रहे विलंब ने प्रबंधन की कार्यशैली पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। पूर्व की गई आरएलए रिपोर्ट के अनुसार टाउनशिप के आवासीय क्वार्टर असुरक्षित मिले थे, हैरानी की बात यह है कि पूर्व में आई आरएलए रिपोर्ट में भी टाउनशिप के सेक्टर-6, सेक्टर-7 और सेक्टर-8 को असुरक्षित घोषित किया जा चुका है। इसके बावजूद, लंबी अवधि बीत जाने के बाद भी आज रिफाइनरी कर्मचारी जान जोखिम में डालकर उन्हीं असुरक्षित और जर्जर क्वार्टरों में रहने को विवश हैं। नवरत्न का दर्जा प्राप्त इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की मथुरा रिफाइनरी टाउनशिप की इस हकीकत ने कर्मचारियों के परिवारों को दहशत में डाल दिया है। अब देखना यह होगा कि क्या किसी बड़े हादसे के होने से पहले रिफाइनरी प्रबंधन इन जर्जर आवासों की सुध लेता है या नहीं।

मिठाई विक्रेता एसोसिएशन की बैठक में उठीं व्यापारियों की समस्याएं

मुकुंद रिजॉर्ट में जुटे जनपदभर के मिष्ठान विक्रेता, विभागीय अधिकारियों से हुआ सीधा संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। मिठाई विक्रेता एसोसिएशन, मथुरा की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को शहर के मुकुंद रिजॉर्ट में आयोजित हुई। बैठक में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मिष्ठान विक्रेताओं ने भाग लिया। इस दौरान मिठाई कारोबार से जुड़ी समस्याओं, विभागीय नियमों और व्यापारियों को रोजमर्रा के व्यवसाय में आने वाली व्यावहारिक दिक्कतों पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में व्यापारियों ने कहा कि मिष्ठान व्यवसाय से जुड़े दुकानदारों को विभिन्न विभागीय प्रक्रियाओं और नियमों के अनुपालन के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में संगठन के माध्यम से व्यापारियों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रभावी तरीके से रखने और उनके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। कार्यक्रम में चैंबर ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार भगत, चीफ एडवाइजर मनीष अग्रवाल रावी, जिलाध्यक्ष रमन मिठाई के मुकेश गुप्ता, योगेश यादव, योगेश कुमार डावरा, नवल कुमार, श्याम गुप्ता, प्रकाश अग्रवाल, ओमप्रकाश उर्फ बंटी बिंदल तथा मीडिया प्रभारी कालीचरन बिंदल प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के चंद्रभान सिंह ने सरकार द्वारा मिष्ठान कारोबारियों के हित में संचालित 'एक जिला-एक व्यंजन योजना' की जानकारी साझा की। उन्होंने व्यापारियों के लिए संचालित अन्य सरकारी योजनाओं, सुविधाओं तथा उनका लाभ लेने की प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में खाद्य विभाग से जतिन यादव व अक्षय राणा, बाट-माप विभाग से पवन यादव तथा श्रम विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर राज गौतम सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबंधित नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी दी तथा मिष्ठान विक्रेताओं की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के संबंध में आवश्यक जानकारी साझा की। बैठक में गगन अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, मुकेश कृष्ण, अनिल अग्रवाल, प्रवीण कुमार और दीपक अग्रवाल सहित जनपदभर से बड़ी संख्या में मिष्ठान विक्रेता मौजूद रहे।

जनपद व तहसील मुख्यालय जाने के लिये नहीं कोई सरकारी बस

संतकबीरनगर। जनपद के सबसे बड़े ब्लाक सेमरियावॉ क्षेत्र अंतर्गत दुधारा से जनपद व तहसील मुख्यालय तक जाने के लिये जनपद सृजन के बाद से अब तक कोई सरकारी बस सेवा उपलब्ध नहीं कराई जा सकी है जो कि क्षेत्रीय ग्रामवासियो की परेशानी का कारण बनी हुई है। सेमरियावॉ ब्लाक क्षेत्र के दुधारा से जनपद व तहसील मुख्यालय तक दशकों बीत जाने के बाद भी सरकारी बस सेवा उपलब्ध नहीं हो सकी। थाना मुख्यालय से जनपद व तहसील मुख्यालय की दूरी 35 किमी है। जनपद की स्थापना 5 सितंबर 1997 को हुई थी। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोग जनपद व तहसील मुख्यालय आते जाते हैं। लोगो को आने जाने में काफी दुश्वरियों का सामना करना पड़ता है। जनपद सृजन के साथ लोगों को आशा थी कि अब दुश्वारियों से निजात मिलेगी लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण आशा निराशा में तब्दील हो गई। ग्रामीण अब्दुस्सलाम, एजाज अहमद, मुकेश श्रीवास्तव, राम वृक्ष यादव, अब्दुल हकीम, अब्दुल्लाह, अब्दुल कदीर, अब्दुल करीम आदि ने शासन- प्रशासन से दुधारा से जनपद व तहसील मुख्यालय तक दो जोड़ी सरकारी बस चलाये जाने की मांग किये हैं।

अड़ींग में चलाया गया टीवी मुक्त भारत अभियान

65 रोगियो के एक्स-रे निकाले, 7 संक्रमण संभावित निकले

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। टीवी मुक्त भारत अभियान के क्रम में गांव अड़ींग स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर स्वास्थ्य कैंप लगाया गया। यहां 65 लोगों के निशुल्क एक्स-रे निकाले गये। कुल सात टीवी संक्रमण के संभावित रोगी पाए गये। इनमें से तीन रोगी संक्रमण के प्रथम दृष्टया शिकार पाये गये। कम्युनिटी हैल्थ आफिसर जेबा खान ने बताया कि ब्लॉक कमेटी प्रोग्राम मैनेजर रमाशंकर के निर्देशन में डिस्ट्रिक्ट कार्डिनेटर अंकित शुक्ला, एसटीएलएस पंकज एवं एक्स-रे टैक्नीशियन हरी शंकर सिंह की टीम ने रोगियों के पंजीकरण, परीक्षण, सेंपिल कलेक्शन आदि का कार्य किया। कुल रोगियों में से 7 रोगियों को संक्रमण की आशंका के चलते सूचीबद्ध किया गया। तीन रोगी एक्स-रे से ही संक्रमण के शिकार सिद्ध हो रहे थे। इनको इलाज के लिए तत्काल पंजीकृत कर लिया गया। बाकी संभावित रोगियों का बल्गम जांच के लिए भेजा गया है।

एम एन पब्लिक स्कूल में त्रैमासिक परीक्षा के अंक कार्ड वितरित, कनीज फातमा व मोहम्मद हस्सान बने कॉलेज टॉपर

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। एम एन पब्लिक स्कूल सोनौरा गौसी में त्रैमासिक परीक्षा के अंक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम अभिभावकों को सौंपे गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया। त्रैमासिक परीक्षा में कनीज फातमा और मोहम्मद हस्सान कॉलेज टॉपर रहे। वहीं विभिन्न शैक्षणिक स्तरों में भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्री-प्राइमरी स्तर पर मोहम्मद हस्सान, प्राइमरी स्तर पर मोहम्मद सईद, जूनियर स्तर पर फातिमा जावेरिया तथा सीनियर स्तर पर कनीज फातमा टॉपर रहे। विद्यालय के एमडी शोऐब अहमद नदवी ने कहा कि परीक्षा विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को जानने और उनकी प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम है। विद्यालय में विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा देने के साथ उनके सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य इसरार अहमद ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में शिक्षकों के मार्गदर्शन के साथ अभिभावकों के सहयोग की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता के अनुरूप उसकी शैक्षणिक प्रगति पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की पढ़ाई में नियमित सहयोग करने की अपील की। अंक कार्ड प्राप्त करने पहुंचे अभिभावक अपने बच्चों के प्रदर्शन से खुश नजर आए। अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

कक्षा वार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान

नर्सरीः प्रथम–मोहम्मद हमजा, द्वितीय–रियांशी कन्नौजिया, तृतीय–उम्मे ऐमन। **एलकेजीः** प्रथम–रुशदा, द्वितीय–उसमान, तृतीय–हसनैन।

यूकेजीः प्रथम–मोहम्मद हस्सान, द्वितीय–मोहम्मद शाद, तृतीय–शाद अहमद चौधरी। **कक्षा 01:** प्रथम–मोहम्मद रैय्यान, द्वितीय–मोहम्मद हस्सान, तृतीय–मोहम्मद शिफान। **कक्षा 02:** प्रथम–माहेरा खातून, द्वितीय–मोहम्मद शाद, तृतीय–सादिया खातून। **कक्षा 03:** प्रथम–मोहम्मद हारिश, द्वितीय–मोहम्मद मुशाब, तृतीय–अब्दुल अली। **कक्षा 04:** प्रथम–मोहम्मद सईद, द्वितीय–फिजा इरफान, तृतीय–बुशरा खातून। कक्षा **05:** प्रथम–मोहम्मद आमान, द्वितीय–मोहम्मद अरकम, तृतीय–माहे नूर। **कक्षा 06:** प्रथम–फातिमा जावेरिया, द्वितीय–फातिमा खातून, तृतीय–आफरीन फातमा। **कक्षा 07:** प्रथम–निकहत जहां, द्वितीय–सुबिया खान, तृतीय–उमैमा खातून। **कक्षा 08:** प्रथम–ममता कुमारी, द्वितीय–उमैमा अयाज, तृतीय–महजबीन।

कक्षा 09: प्रथम–नायला उमर, द्वितीय–अनीशा, तृतीय–नशरा खान। **कक्षा 10 हिंदी माध्यमः** प्रथम–असमा खातून, द्वितीय–नूर आलम, तृतीय–कृष्णा। **कक्षा 10 अंग्रेजी माध्यमः** प्रथम–अनब, द्वितीय–सफिया, तृतीय–शिल्पा। **कक्षा 11:** प्रथम–कनीज फातमा, द्वितीय–असरार अहमद, तृतीय–मनोज कुमार। **कक्षा 12:** प्रथम–रईशा खातून, द्वितीय–इरम खातून, तृतीय–नुशरा खान।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की सूची

नर्सरीः मोहम्मद हमजा, रियांशी कन्नौजिया, उम्मे ऐमन, मोहम्मद अली, मोहम्मद अबूबकर, उम्मे कुलसुम, मोहम्मद ताबिश, रिषभ शर्मा, रिया शर्मा, हरीम फातिमा।

एलकेजीः रुशदा, उसमान, हसनैन, अलीम, आमेरा, आयशा, अल शिफा, मारियम, ओसैद, रितिक।

यूकेजीः मोहम्मद हस्सान, मोहम्मद शाद, शाद अहमद चौधरी, ऐनूर फातिमा, मोहम्मद नूमान, अरीबा कमर, आयत फातिमा, आयशा खातून, आयशा खान, आरोही कुमारी।

कक्षा 01: मोहम्मद रैय्यान, मोहम्मद हस्सान, मोहम्मद शिफान, उम्मे मोहम्मदी, अजहान मोजम्मिल, मोहम्मद अदनान, बुशरा खातून, सदफ नाज, एहतेशाम, जारा खान, अनवी कसौधन।

कक्षा 02: माहेरा खातून, मोहम्मद शाद, सादिया खातून, तुबा खातून, सदफ रहमान, हेरा शादाब, नुशरत फातिमा।

कक्षा 03: मोहम्मद हारिश, मोहम्मद मुशाब, अब्दुल अली, अब्दुल्लाह, फैज मोहम्मद, अबू हौरैरा, मोहम्मद शाकिब, हफ्सा खातून, मोहम्मद अरकम, अनाईजा, मोहम्मद हमजा।

कक्षा 04: मोहम्मद सईद, फिजा इरफान, बुशरा खातून, इलमा अंजुम, पवन चौहान, फातमा फरहत, रिमशा, सिदरा खातून, मोहम्मद अनश, मोहम्मद शादाब।

कक्षा 05: मोहम्मद आमान, मोहम्मद अरकम, माहे नूर, अजरा खातून, नुजहा अयाज, आरीबा शादाब, हादिया अंजुम, मोहम्मद शाद खान, अलफिया खातून, मोहम्मद अहमद।

कक्षा 06: फातिमा जावेरिया, फातिमा खातून, आफरीन फातमा, सबा रहमान, अंशिका, मिस्बा खातून, इमरान निजमी, रुकैय्या खातून, सोनाक्षी, गौसिया परवीन।

कक्षा 07: निकहत जहां, सुबिया खान, उमैमा खातून, रुशदा अजीज, मोहम्मद अजीम, जिकरा खातून, इरम फातमा, मोहम्मद ओबैदुल्लाह, यासमीन, लायबा, नेहा परवीन।

कक्षा 08: ममता कुमारी, उमैमा अयाज, महजबीन, वजीहुद्दीन, सोनाली मौर्या, मोबस्सेरा, नजमुसशाकिब, उम्मे सुमैय्या, लायबा खातून, सबीहा खातून।

कक्षा 09: नायला उमर, अनीशा, नशरा खान, अरीबा अतहर, नेदा रिजवान, तुबा फरहत, अलफिया, अनामिका कुमारी, मोहम्मद अफ्फान, फैज अहमद।

कक्षा 10 हिंदी माध्यमः असमा खातून, नूर आलम, कृष्णा, आसिया अंजुम, अफीफा खातून, रईश अहमद, सादिया खातून, तस्मिया खातून, खुशी, इसमा कुरैशी।

कक्षा 10 अंग्रेजी माध्यमः अनब, सफिया,सादिया खातून, निकहत, उम्मे सुलेम, कनीज, मोहम्मद उल्फत, नूर सबा, मोहम्मद हमजा।

कक्षा 11: कनीज फातमा, असरार अहमद, मनोज कुमार, सनाया जमाल, आदित्य कुमार, वसीमुद्दीन, समीरा खातून, मोहम्मद यहिया, सुमैय्या, सोएबा खातून, सालिम रजा।

कक्षा 12: रईशा खातून, इरम खातून, नुशरा खान, मंतशा इनामुल्लाह, शमा खातून, फिरदौस फातिमा, जिया फारुक, अरसिया खातून, अंशिका चौधरी, नेदा खातून।

पीलीभीत के किसानों को बासमती और जैविक खेती की बड़ी सौगात

जितिन प्रसाद और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया शिलान्यास, सात एकड़ में बनेगा केंद्र; किसानों को आधुनिक तकनीक

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जनपद के किसानों को बासमती एवं जैविक खेती के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। टांडा बिजैसी में 'वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी बासमती एवं जैविक प्रशिक्षण केंद्र सह प्रदर्शन फार्म' की आधारशिला रखी गई। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद और उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने परियोजना का शिलान्यास किया। न्यूरिया कॉलोनी स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, विधान परिषद सदस्य सुधीर गुप्ता, जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान और गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में करीब 10 हजार लोगों की सहभागिता रही। बासमती एवं जैविक उत्पादों से संबंधित 23 प्रदर्शनी स्टॉल भी लगाए गए।केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि को आधुनिक, आत्मनिर्भर और वैश्विक बाजार के अनुरूप बनाने पर लगातार काम किया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने, प्रसंस्करण और निर्यात को बढ़ावा देने के साथ तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीलीभीत में बासमती उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। प्रस्तावित केंद्र किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, जैविक खेती, आधुनिक कृषि तकनीक और उत्पादन से लेकर निर्यात तक की जानकारी उपलब्ध कराएगा। केंद्र की स्थापना के लिए सात एकड़ भूमि उपलब्ध कराने में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के सहयोग के लिए उन्होंने आभार जताया। प्रस्तावित केंद्र में अधिसूचित बासमती किस्मों और आधुनिक उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों को कीट एवं रोग प्रबंधन, जैविक खेती, जैविक खाद एवं अन्य जैविक साधनों के उपयोग, समेकित कीट प्रबंधन तथा समेकित पोषक तत्व प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा।इसके अलावा यहां प्रमाणिक एवं गुणवत्तापूर्ण बासमती बीज के उत्पादन और संवर्धन की व्यवस्था विकसित की जाएगी। किसानों और युवाओं को बीज उत्पादन का प्रशिक्षण देकर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास होगा। किसान उत्पादक संगठनों, उद्यमियों, युवाओं, निर्यातकों और प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।केंद्र के माध्यम से किसानों को गुणवत्ता, पैकेजिंग, विपणन, निर्यात मानकों और रासायनिक अवशेष मुक्त बासमती उत्पादन की जानकारी दी जाएगी। विशेषज्ञों से खेत संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारियों के अनुसार यह केंद्र पीलीभीत को बासमती एवं जैविक कृषि के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे किसानों को बेहतर तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और बड़े बाजारों तक पहुंच मिलने की उम्मीद है।

ग्राम समाज की जमीन पर कब्जे की कोशिश, राजस्व टीम ने रुकवाया काम

सूचना पर पहुंची पुलिस, हिरासत में चार आरोपी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। ग्राम विक्रमपुर में ग्राम समाज की भूमि पर कथित रूप से अनधिकृत निर्माण कर कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही बरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और राजस्व विभाग की टीम को मामले की जानकारी दी। जांच में भूमि ग्राम समाज की पाए जाने पर निर्माण कार्य तत्काल रुकवा दिया गया।पुलिस के अनुसार बुधवार 9 सितंबर 2026 को करीब दोपहर 12 बजे सूचना मिली कि ग्राम विक्रमपुर में आबादी से बाहर उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित ग्राम समाज की भूमि पर कुछ लोग निर्माण के लिए नींव डाल रहे हैं। सूचना पर थाना बरखेड़ा पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली और राजस्व विभाग को सूचित किया। राजस्व टीम द्वारा मौके पर जांच की गई, जिसमें संबंधित भूमि ग्राम समाज की पाई गई। इसके बाद भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य को रुकवा दिया गया।मामले में स्थानीय लेखपाल की तहरीर के आधार पर थाना बरखेड़ा में मु0अ0सं0 344/2026, धारा 329(3)/333 बीएनएस के तहत मो. फारूख पुत्र याकूब समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मो. फारूख पुत्र याकूब, सोहरत मदार पुत्र शाबीर, शाकिर पुत्र छदन्न और इकबाल पुत्र इशरार को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।प्रशासन की कार्रवाई से ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे और निर्माण के प्रयास को लेकर हड़कंप मचा हुआ है।

भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा को लेकर डीआईजी बस्ती ने की समन्वय गोष्ठी

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। आगामी त्योहारों, भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर बुधवार को बढ़नी स्थित एसएसबी कैंप में महत्वपूर्ण समन्वय एवं सुरक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता डीआईजी बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी ने की। इस दौरान उनके साथ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन भी मौजूद रहे। गोष्ठी में एसएसबी, आईबी, कस्टम, पुलिस, एलआईयू, राजस्व सहित विभिन्न सुरक्षा एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। डीआईजी ने सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त करने के बाद सीमा सुरक्षा और आगामी त्योहारों को लेकर तैयारियों की समीक्षा की बैठक में भारत-नेपाल सीमा पर सघन चेकिंग, पेट्रोलिंग और निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। अवैध तस्करी और घुसपैठ पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ ही सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और सूचना तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया गया। डीआईजी ने सीमा क्षेत्र में रहने वाले लोगों के सत्यापन तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही आगामी त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीमा सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान किया जाए, ताकि किसी भी चुनौती से समय रहते प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार, क्षेत्राधिकारी सदर, बांसी, डुमरियागंज एवं शोहरतगढ़, निरीक्षक अभिसूचना इकाई, कस्टम, आईबी, रॉ, एसएसबी तथा पुलिस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के तहत छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध और महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के द्वितीय चरण के तहत बुधवार को जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल करौंदा मसिना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस उपमहानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। डीआईजी ने छात्र-छात्राओं और महिलाओं को साइबर अपराध तथा महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्होंने डिजिटल ठगी, डिजिटल गिरफ्तारी, सामाजिक माध्यमों की जानकारी चोरी और फर्जी संदेशों के जरिए होने वाले अपराधों से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने अनजान लिंक पर क्लिक न करने, व्यक्तिगत जानकारी और एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड किसी से साझा न करने तथा सामाजिक माध्यमों के खातों को सुरक्षित रखने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक थाने पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं। किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 पर शिकायत करने की जानकारी दी गई। साथ ही 1090, 112, 1076, 1098 और 108/102 हेल्पलाइन के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान, अन्य पुलिस अधिकारी, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर लेखपाल संघ ने सौंपा मांग पत्र

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की जिला शाखा ने लेखपालों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिला प्रशासन को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। संघ ने शासनादेश व परिषदादेश के विपरीत मध्य सत्र में किए गए सभी स्थानांतरण निरस्त करने और नियम विरुद्ध स्थानांतरण का कारण स्पष्ट करने की मांग की। संघ ने लेखपाल जितेंद्र कुमार यादव के साथ तहसीलदार इटवा द्वारा किए गए कथित अमानवीय व्यवहार के मामले में कार्रवाई करने तथा तहसीलदार इटवा को तहसील से हटाकर जिले से संबद्ध करने की मांग रखी। मांग पत्र में खतौनी में किसानों के गाटों में तहसील ऑपरेटरों द्वारा की गई अंश त्रुटियों को ठीक कराने, लेखपालों को अद्यतन आरटीके खतौनी व पिछले वर्ष के खसरे का प्रिंट उपलब्ध कराने की मांग की गई। जीर्ण-शीर्ण भू-मानचित्रों के स्थान पर नए नक्शे और वर्ष 2016 के लेखपालों के अंकपत्र उपलब्ध कराने की भी मांग है। इसके अलावा एग्रीस्टैक का बकाया भुगतान, फार्मर रजिस्ट्री में शासनादेश का पालन, जिलाधिकारी कार्यालय में लंबित शस्त्र लाइसेंस जारी करने तथा सीएमओ कार्यालय में लंबित चिकित्सा प्रतिपूर्ति की फाइलों का निस्तारण कराने की मांग की गई। संघ ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति के लिए बजट परिषद को भेजने की भी मांग उठाई।

विश्व फिजियोथैरेपी दिवस: निःशुल्क शिविर में मरीजों को मिला आधुनिक तकनीकों से उपचार

हुसैनगंज के सिद्धार्थ ऑर्थो एवं न्यूरो फिजियोथेरेपी सेंटर में लगा शिविर, डॉ. सुभाष यादव ने दिए स्वास्थ्य टिप्स

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर मंगलवार को हुसैनगंज स्थित सिद्धार्थ ऑर्थो एवं न्यूरो फिजियोथेरेपी सेंटर में एक निःशुल्क फिजियोथेरेपी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे हड्डी, जोड़, नस और बच्चों से संबंधित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों की निःशुल्क जांच की गई। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. विमल द्विवेदी और विशिष्ट अतिथि डॉ. के. के. यादव की उपस्थिति में हुआ।इस एक दिवसीय शिविर में क्षेत्र के लगभग 170 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक परामर्श और अत्याधुनिक मशीनों से निःशुल्क थेरेपी दी गई। उपचार पाने वाले कुल मरीजों में लगभग 60 महिलाएं, 90 पुरुष और 20 बच्चे शामिल रहे। शिविर में पहुंचे वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सुभाष यादव ने मरीजों को नियमित फिजियोथेरेपी के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शिविर के दौरान महिला मरीजों के विशेष उपचार और परामर्श के लिए फिजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञ डॉ. सुनीता गुप्ता और डॉ. ज्योति यादव मौजूद रहीं, जिनके द्वारा महिलाओं की विभिन्न शारीरिक समस्याओं का गहन परीक्षण कर फिजियोथेरेपी की गई। शिविर में गर्दन, कंधे, कमर व घुटने के दर्द, गठिया, मांसपेशियों में खिंचाव, स्लिप डिस्क, चोट और फ्रैक्चर या ऑपरेशन के बाद होने वाली जटिलताओं से पीड़ित मरीजों को राहत पहुंचाई गई। इसके साथ ही नस संबंधी गंभीर रोगों जैसे लकवा, पक्षाघात, चेहरे का लकवा, साइटिका, पार्किंसन, रीढ़ की हड्डी की चोट और पुराने सिरदर्द से परेशान मरीजों को भी आधुनिक तकनीकों से परामर्श दिया गया। शिविर में आए लगभग 20 बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया। जिनमें मुख्य रूप से ऐसे बच्चे शामिल थे जो शारीरिक अक्षमता के कारण खड़े होने और चलने में पूरी तरह असमर्थ थे। इसके अलावा शारीरिक विकास में देरी, सेरेब्रल पाल्सी, डाउन सिंड्रोम और पोलियो से पीड़ित बच्चों के लिए भी विशेष फिजियोथेरेपी सत्र आयोजित किए गए। डॉ. सुभाष यादव ने क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए बताया कि जो मरीज गंभीर स्थिति के कारण केंद्र तक आने में असमर्थ हैं, उनके लिए अस्पताल द्वारा घर जाकर फिजियोथेरेपी करने की सुविधा भी चालू है। मुख्य व विशिष्ट अतिथियों ने इस मानवीय प्रयास की सराहना की और राहत पाने वाले मरीजों व उनके परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

गंगोह में बिजली चोरी करते चार उपभोक्ता पकड़े

विजिलेंस और विद्युत विभाग की संयुक्त टीम की कार्रवाई, हाई लाइन लॉस फीडर पर चलाया गया चेकिंग अभियान

वेलकम इंडिया/राजीव चौधरी

सहारनपुर/गंगोह। बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत विभाग और विजिलेंस टीम की ओर से चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के तहत गंगोह कस्बे में संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए चार बिजली उपभोक्ताओं को कथित रूप से विद्युत चोरी करते हुए पकड़ा। टीम की कार्रवाई से क्षेत्र में खलबली मच गई। पकड़े गए उपभोक्ताओं के खिलाफ नियमानुसार मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार सहारनपुर के मुख्य अभियंता हेमराज सिंह के आदेशानुसार विद्युत चोरी रोकने और बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान थाना गंगोह क्षेत्र के मोहल्ला गुजरान और कुरैशियान कस्बा गंगोह में हाई लाइन लॉस फीडर पर संयुक्त रूप से विद्युत कनेक्शनों की जांच की गई। चेकिंग के दौरान टीम ने चार बिजली उपभोक्ताओं को विद्युत चोरी करते हुए पकड़ा। टीम ने मौके पर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। संबंधित उपभोक्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार थाना एंटी पावर थेफ्ट सहारनपुर में अभियोग पंजीकृत कराने की कार्रवाई की जा रही है। बताया गया कि चेकिंग अभियान पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश सतर्कता पावर कॉरपोरेशन, लखनऊ के आदेशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक सतर्कता, शक्ति भवन लखनऊ, अपर पुलिस अधीक्षक डिस्कॉम मेरठ और पुलिस उपाधीक्षक सतर्कता सहारनपुर परिक्षेत्र सहारनपुर के निर्देशन में चलाया गया। विद्युत विभाग की ओर से मुख्य अभियंता हेमराज सिंह, अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार और अधिशासी अभियंता राज कपूर के कुशल निर्देशन में अभियान को अंजाम दिया गया। प्रवर्तन दल सहारनपुर के प्रभारी उपनिरीक्षक रूपचंद सिंह तथा नरेंद्र कुमार, अवर अभियंता प्रवर्तन दल सहारनपुर ने टीम के साथ चेकिंग की। अभियान में हेड कांस्टेबल अरुण कुमार, महिला हेड कांस्टेबल रूबी त्यागी, कांस्टेबल अजय गौतम और कांस्टेबल घनश्याम भी शामिल रहे। इसके अलावा अधिशासी अभियंता नकुड़, उपखंड अधिकारी गंगोह तथा शिवकुमार, अवर अभियंता गंगोह टाउन ने भी संयुक्त कार्रवाई में सहयोग किया। विद्युत विभाग द्वारा हाई लाइन लॉस वाले फीडरों पर विशेष निगरानी रखते हुए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गंगोह के मोहल्ला गुजरान और कुरैशियान में टीम ने विद्युत कनेक्शनों की जांच की। जांच के दौरान चार उपभोक्ताओं के खिलाफ बिजली चोरी का मामला सामने आने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई शुरू की गई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बारिश ने बढ़ाई हसनी हुसैनी नगर की मुसीबत, जलभराव से घरों में घुसा पानी, जिम्मेदारों से लगाई राहत की गुहार

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। ग्राम पंचायत सिमरिया महाराजपुर के मोहल्ला हसनी हुसैनी नगर में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने से जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। लगातार बारिश के बाद मोहल्ले की गलियों और सड़कों पर पानी भर गया। स्थिति इतनी खराब हो गई कि बारिश का पानी लोगों के घरों के भीतर तक पहुंच गया। घरों में पानी घुसने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।मोहल्ले के लोगों का कहना है कि जलनिकासी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश होते ही पानी सड़कों पर जमा हो जाता है। कई स्थानों पर पानी निकलने का रास्ता नहीं होने से वह धीरे-धीरे घरों की ओर बढ़ जाता है। इस बार जलभराव ने विकराल रूप ले लिया है और कई घरों में पानी प्रवेश कर चुका है।घर के अंदर पानी भरने से लोगों का राशन, कपड़े और अन्य जरूरी सामान खराब होने की स्थिति में है। पानी के बीच खाना पकाना और परिवार के सदस्यों का रहना मुश्किल हो गया है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। गंदा पानी जमा होने से संक्रमण और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

स्थानीय निवासी रजवी, बसीम, फरमूद, अफरोज, इलियास, बाज़िद, बाराती, अकील, ताहिर, लहिक और चुनने सहित अन्य लोगों ने जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पानी की निकासी नहीं कराई गई तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। लोगों ने ग्राम पंचायत और संबंधित अधिकारियों से तत्काल मौके पर पहुंचकर जलनिकासी की व्यवस्था कराने, बंद नालियों की सफाई कराने तथा जमा पानी को बाहर निकलवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान किया जाना बेहद जरूरी है, ताकि बारिश के दौरान हर बार मोहल्लेवासियों को इसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सड़क पर जलभराव से किसानों और स्कूली बच्चों का फूटा गुस्सा

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। पूरनपुर-माधोटांडा मुख्य मार्ग से जरा बुजुर्ग होते हुए नवदिया टोडरपुर वाया जीएसआरडी स्कूल तक जाने वाला करीब दो किलोमीटर लंबा संपर्क मार्ग वर्षों से बदहाली और जलभराव की समस्या से जूझ रहा है। सड़क पर जगह-जगह गहरा कीचड़ और जलभराव होने से ग्रामीणों, किसानों और स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। दुर्घटना की आशंका को लेकर अभिभावकों में भी चिंता बनी हुई है।समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला सचिव घासीराम के लगातार प्रयासों के बाद मंगलवार को जिला पंचायत की टीम ने मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। जिला पंचायत के जेई मनीष चौधरी और उनके सहयोगी प्रेमपाल ने सड़क की स्थिति का स्थलीय जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों और किसानों ने अधिकारियों के सामने सड़क की बदहाली को लेकर नाराजगी जताई। भाकियू जिला सचिव ने बताया कि सड़क के पक्के निर्माण की मांग को लेकर केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद को पत्र दिया जा चुका है। तहसील और जिला प्रशासन को भी पूर्व में लिखित रूप से समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।मौके पर मौजूद जीएसआरडी स्कूल के प्रधानाध्यापक मुकेश यादव, स्कूल स्टाफ, छात्र-छात्राओं, किसानों और ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क का शीघ्र पक्का निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग क्षेत्र के सैकड़ों गन्ना किसानों के साथ ही स्कूल आने-जाने वाले बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।भाकियू पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि निरीक्षण के बाद भी यदि सड़क निर्माण को लेकर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीणों और किसानों के साथ आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान ध्रुव कुमार, कप्तान सिंह कुशवाहा, सुरेश कुमार उर्फ छुटकी, संजीव कुमार, शिवदयाल यादव, अतुल कुमार, अंकुल यादव, रामलाल, रईसपाल यादव, सर्वेश यादव, बच्चू, रोहित सिंह यादव, लल्ला सिंह, कृपाल सिंह कुशवाहा, श्रीराम सहित दर्जनों ग्रामीण और किसान मौजूद रहे।

शारदा नदी के भूकटान ने बढ़ाई चिंता, धनारा घाट से राहुल नगर तक खतरा

समय रहते बचाव कार्य नहीं हुआ तो चंदिया हजारा में बिगड़ सकते हैं हालात

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। शारदा नदी के धनारा घाट क्षेत्र में लगातार हो रहे भूकटान ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। बुधवार को बाढ़ खंड के एसडीओ सुमित सचान और जेई विनायक ने निमार्णाधीन सेतु से लेकर चार नंबर तक भूकटान प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान नदी के तेज बहाव से हुए कटान और प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया गया।

दौरे के दौरान सबसे गंभीर स्थिति सेतु निगम द्वारा आवाजाही के लिए बनाए गए अस्थायी लोहे के पुल की सामने आई। बताया गया कि नदी के तेज बहाव के चलते यह अस्थायी पुल पूरी तरह उजड़ चुका है। इसके बाद नदी का बहाव धनारा घाट के दाएं किनारे की ओर अधिक तेजी से होने लगा है। जिस क्षेत्र में मेला आयोजित होता है और जहां से कांवड़ियों द्वारा जल भरा गया था, वह भी नदी के बहाव और कटान की चपेट में आ गया है। ग्रामीणों के अनुसार अब नदी का बहाव पूर्व निर्मित रिवर बैंक की ओर बढ़ रहा है। इसके साथ ही राहुल नगर मजदूर बस्ती पर भी खतरा मंडराने लगा है। यदि नदी का रुख इसी तरह बना रहा तो आने वाले दिनों में स्थिति और विकराल हो सकती है। बाढ़ खंड के अधिकारी लगातार प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि अभी तक कटान रोकने के लिए कोई ठोस बचाव कार्य शुरू नहीं किया गया है।वहीं, सेतु निगम की ओर से गाइड बंध निर्माण की स्थिति को लेकर भी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो अगले बरसात के मौसम में पूर्व निर्मित रिवर बैंक, राहुल नगर मजदूर बस्ती, छह नंबर, खिरकिया सहित समूचा चंदिया हजारा क्षेत्र गंभीर संकट में आ सकता है।ग्रामीणों ने कहा कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए शासन स्तर पर स्थायी परियोजना शुरू कराने की जरूरत है। इसी मुद्दे को लेकर अगले रविवार को ग्रामीणों की बैठक प्रस्तावित है। बैठक में सभी लोग एकजुट होकर ठोस निर्णय लेंगे और शासन-प्रशासन को समय रहते स्थिति से अवगत कराते हुए स्थायी बचाव कार्य की मांग उठाएंगे।

वाराणसी में राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का किया गया शुभारंभ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा आंगनवाड़ी केंद्र जीवंत सामुदायिक संस्थान बने

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से बुधवार, 9 सितंबर को वाराणसी के रुद्राक्ष अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र में नौवें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का शुभारंभ किया गया। 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' विषय के तहत आयोजित एक माह के इस अभियान का उद्देश्य पोषण को जन आंदोलन का रूप देना और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण, स्वास्थ्य तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल सेवाओं को और मजबूत करना है। राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और उत्तर प्रदेश सरकार की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पोषण मंत्री बेबी रानी मौर्य सहित केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, विकास भागीदार, अग्रिम पंक्ति के सेवा प्रदाता और लाभार्थी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में भारत को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए विभागों के बीच निरंतर समन्वय, सक्रिय सामुदायिक भागीदारी और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पोषण सेवाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने में आंगनवाड़ी केंद्रों की भूमिका परिवर्तनकारी है। योगी आदित्यनाथ ने पिछले कुछ वर्षों में आंगनवाड़ी केंद्रों में हुए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्रों को उन्नत और नवीनीकृत किया गया है। बेहतर

बुनियादी ढांचे और शिक्षण वातावरण के साथ इन्हें जीवंत सामुदायिक संस्थानों के रूप में विकसित किया जा रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे वास्तविक समय में आंकड़ों की प्रविष्टि और डिजिटल निगरानी के माध्यम से सेवाओं की गुणवत्ता एवं वितरण में सुधार संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री ने पूरक पोषण सेवाओं को मजबूत किए जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को नियमित रूप से गर्म पका भोजन और घर ले जाने के लिए राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि पोषण पर किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता, क्योंकि इसका लाभ स्वस्थ बच्चों, सशक्त परिवारों और मजबूत राष्ट्र के रूप में लंबे समय तक मिलता है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने संबोधन में मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण के दूसरे चरण के माध्यम से पोषण परिणामों में सुधार लाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि देश में 14 लाख से अधिक आंगनवाड़ी केंद्र 7.5 करोड़ से अधिक बच्चों, 1.10 करोड़ गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं तथा करीब 16 लाख किशोरियों को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने जीवन के पहले 1000 दिनों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सरकार दो लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। इनमें उत्तर प्रदेश के करीब 24 हजार केंद्रों को मंजूरी दी गई है। अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन के दस वर्ष पूरे हो चुके हैं। योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से अब तक देशभर में 4.65 करोड़ से अधिक माताओं को 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। उन्होंने आहार में विविधता, भोजन में पर्याप्त प्रोटीन, ताजा पका भोजन, स्वच्छता और प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास को बेहतर बनाने में सामुदायिक भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने 2047 तक सुपोषित और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए लोगों से पोषण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्नपूर्णा देवी ने कुछ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से प्रत्यक्ष संवाद किया। उनके आंगनवाड़ी केंद्रों की गतिविधियों और कार्यों पर आधारित वीडियो फिल्में भी प्रदर्शित की गईं। विशेष खंड में ताजा पका भोजन, घर ले जाने वाला राशन, गृह भ्रमण तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा से जुड़े लाभार्थियों के अनुभवों पर आधारित वीडियो दिखाए गए। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने समुदायों, पंचायती राज संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों और परिवारों से पोषण आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से पोषण और बाल देखभाल सेवाओं को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाया जा सकता है। महिला एवं बाल विकास सचिव अनिल मलिक ने स्वागत संबोधन में कहा कि पोषण अभियान अब केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि इसके अगले चरण में सामुदायिक भागीदारी और जवाबदेही को और मजबूत करना आवश्यक है।

शिक्षा में नवाचार और बच्चों के प्रति समर्पण से डॉ. अर्चना सिंह को मिला शिक्षा सम्मान

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। प्राथमिक शिक्षा को केवल नौकरी नहीं, बल्कि सेवा और साधना मानकर कार्य करने वाली मेहनती, कर्मठ और नवाचारी शिक्षिका डॉ. अर्चना सिंह को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा एवं साहित्य सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। काशी हिंदी विद्यापीठ एवं निःस्वार्थ शिक्षा एवं साहित्य मंच की ओर से सिगरा स्थित सेंटर फॉर सनातन रिसर्च में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज, काशी सुमेरू पीठाधीश्वर ने डॉ. अर्चना सिंह को सम्मान प्रदान किया। डॉ. अर्चना सिंह वर्तमान में बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। वह अपने विद्यालय को आदर्श विद्यालय के रूप

में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। बच्चों की शिक्षा को बेहतर और रुचिकर बनाने के लिए वह शिक्षण में नवाचारों का प्रयोग करती हैं। उनके प्रयासों में बच्चों की शैक्षिक प्रगति के साथ उनके सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। सम्मान मिलने पर डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि शिक्षक के लिए सबसे बड़ा सम्मान बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने इस सम्मान को अपने लिए प्रेरणा बताते हुए शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह में शिक्षा एवं साहित्य क्षेत्र से जुड़े कई लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने डॉ. अर्चना सिंह के शिक्षा के प्रति समर्पण, नवाचार और बच्चों के साथ उनके आत्मीय जुड़ाव की सराहना की।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर डीएम ने की समीक्षा

समय-सारिणी के अनुसार सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश, प्रचार-प्रसार पर भी रहेगा जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के सफल और सुचारू संचालन को लेकर जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य की तैयारियों, प्रशिक्षण, प्रचार-प्रसार और आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण का कार्य 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रस्तावित है। वहीं स्व-गणना का कार्य 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक निर्धारित किया गया है। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि

जनगणना से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय पर पूरे किए जाएं। उन्होंने बताया कि फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण 4 से 24 अक्टूबर तक, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति 15 अक्टूबर तक तथा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 22 अक्टूबर से 14 नवंबर तक कराया जाएगा। प्रशिक्षण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने ऐसे संस्थानों का चयन करने के निर्देश दिए, जहां स्मार्ट क्लासरूम की सुविधा उपलब्ध हो। प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रोजेक्टर, एलईडी या टीवी स्क्रीन, माइक, जनरेटर और पावर बैकअप सहित सभी आवश्यक तकनीकी एवं विद्युत सुविधाएं प्रशिक्षण शुरू होने से पहले सुनिश्चित करने को कहा गया।

उन्होंने प्रत्येक प्रशिक्षण बैच के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए, ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता और केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जा सके। जिलाधिकारी ने जनगणना-2027 को लेकर व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रभावी प्रचार-प्रसार करने को कहा। नगरीय क्षेत्रों में कूड़ा उठाने वाले वाहनों के माध्यम से ऑडियो प्रचार कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जनगणना से संबंधित आवश्यक जानकारी पहुंचाई जा सके। इसके अलावा जिलाधिकारी ने जनगणना-2027 के प्रथम चरण में कार्यरत कार्मिकों के सभी देयों का भुगतान पूर्ण कराने तथा 850 से अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार सब-ईबी तैयार करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने कहा कि जनगणना-2027 राष्ट्रीय महत्व का महत्वपूर्ण कार्य है। इसके सफल संचालन के लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार अपनी तैयारियां पूरी करें। उन्होंने संबंधित विभागों को जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अभिषेक कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन नीतीश कुमार सिंह सहित समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कोलम्बस शूज डीलर्स मीट 2026 में नए उत्पादों का भव्य प्रदर्शन

नई कार्बन प्लेट तकनीक से लैस केएसएम सीरीज ने बटोरी सुर्खियां, केएसएम बने कोलम्बस एनएक्सजी के नए ब्रांड एंबेसडर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। फुटवियर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी कोलम्बस शूज की ओर से कैंटोनमेंट क्षेत्र स्थित होटल अमाया में डीलर्स मीट 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कंपनी ने अपने नवीनतम जूता संग्रह के साथ नई तकनीक से युक्त उत्पादों का भव्य प्रदर्शन किया। वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे डीलर्स एवं व्यावसायिक सहयोगियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और नई उत्पाद श्रृंखला को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण कोलम्बस शूज के चेयरमैन संदीप मनोचा की ओर से केएसएम को कोलम्बस एनएक्सजी का नया ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने की घोषणा रही। घोषणा के बाद कार्यक्रम में मौजूद डीलर्स, व्यावसायिक सहयोगियों और फुटवियर कारोबार से जुड़े अतिथियों

में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर केएसएम के साथ कोलम्बस एनएक्सजी की नई पहचान और नई कार्बन प्लेट तकनीक से लैस केएसएम सीरीज को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया।

\कंपनी के अनुसार इस श्रृंखला को बेहतर आराम, मजबूती, सहारा और उत्कृष्ट प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। केएसएम सीरीज की कीमत 1,799 रुपये से शुरू होती है। डीलर्स मीट के दौरान कंपनी ने बच्चों और महिलाओं के लिए तैयार की गई अपनी नई एवं विस्तृत जूता श्रृंखला भी प्रदर्शित की। इसके अलावा कोलम्बस एनएक्सजी श्रृंखला के कई लोकप्रिय उत्पाद भी पेश किए गए। इनमें स्ट्रीक, विजन, सोलर, ऑर्किड, रनिंग, यूपी-1, यूपी-2, विक्टोरी, पोगो किड्स, जारा लेडीज, बूस्टर और अल्फा वॉक प्रमुख रहे। कंपनी ने बताया कि इन उत्पादों को आधुनिक फैशन और उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। कार्यक्रम को कोलम्बस शूज के चेयरमैन संदीप मनोचा और एमडी कृष संदीप मनोचा की मौजूदगी से विशेष महत्व मिला। दोनों कंपनी के देश प्रमुख पुनीत गर्ग, उत्तर प्रदेश बिक्री प्रमुख गौरव त्यागी और बिक्री टीम के साथ डीलर्स मीट में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने डीलर्स एवं व्यावसायिक सहयोगियों से सीधे संवाद किया और उनके विचार एवं सुझाव सुने। कंपनी के चेयरमैन की मौजूदगी को व्यापारिक सहयोगियों के साथ मजबूत और दीर्घकालिक संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। इस दौरान कंपनी ने देशभर में अपनी बाजार उपस्थिति को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। नई उत्पाद श्रृंखला के प्रदर्शन के साथ डीलर्स के लिए विशेष रूप से तैयार की गई आकर्षक बुकिंग योजनाएं भी पेश की गईं। इससे कार्यक्रम में कारोबारियों का उत्साह और बढ़ा। नवीन उत्पादों, बच्चों एवं महिलाओं के लिए विस्तृत जूता श्रृंखला और व्यावसायिक योजनाओं के संयोजन ने वाराणसी के फुटवियर कारोबार से जुड़े लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

भारत विकास परिषद काशी ने सावन-भादो की परंपरा और उल्लास से सजाया 'उमंगोत्सव'

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सावन-भादो के मौसम में जब प्रकृति हरियाली की चादर ओढ़ती है, तब भारतीय संस्कृति भी विभिन्न पर्वों और लोक परंपराओं के रंगों से सज उठती है। इसी सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं को मंच पर साकार करते हुए भारत विकास परिषद, काशी शाखा की ओर से उमंगोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सावन-भादो के दौरान मनाए जाने वाले प्रमुख पर्वों और उनसे जुड़ी धार्मिक एवं लोक परंपराओं को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया गया। उत्सव में पर्वों को उनके पारंपरिक क्रम में प्रस्तुत किया गया। भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक से शुरूआत करते हुए नाग पंचमी, हरियाली तीज, रक्षाबंधन, कजरी, जन्माष्टमी, हरितालिका तीज और गणेश चतुर्थी से जुड़े धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रसंग मंच

पर प्रस्तुत किए गए। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्वों से जुड़ी लोक मान्यताओं, परंपराओं और उत्सवधर्मिता की सुंदर झलक पेश की, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। सावन और कजरी का पूर्वांचल की लोक संस्कृति से गहरा संबंध है। कार्यक्रम में कजरी के पारंपरिक स्वरों ने सावन के झूलों, सखियों के उल्लास और लोकजीवन की भावनाओं को जीवंत कर दिया। ह्यझूला पड़े कदंब की डार, सखी झूले आओह्ण जैसे पारंपरिक लोकगीतों की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को सावन के रंग में रंग दिया। कजरी की प्रस्तुति के माध्यम से पूर्वांचल की उस समृद्ध लोक परंपरा को भी दर्शाया गया, जिसमें सावन के दौरान महिलाएं और युवतियां समूह में लोकगीत गाकर अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करती रही हैं। गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत इन लोक परंपराओं ने दर्शकों को ग्रामीण जीवन और पूर्वांचल की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ दिया। कार्यक्रम में पर्वों के धार्मिक महत्व के साथ उनके सामाजिक और पारिवारिक पक्ष को भी रेखांकित किया गया।

जेसीआई काशी शिवा के जेसीआई सप्ताह में नेतृत्व से स्वास्थ्य तक होंगे विविध आयोजन

युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक सरोकार और पारिवारिक सहभागिता को मिलेगा बढ़ावा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। जेसीआई काशी शिवा की ओर से 9 से 13 सितंबर तक 'द 777 जेसीआई सप्ताह 2026' का आयोजन किया जा रहा है। पांच दिवसीय इस विशेष आयोजन के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ सामाजिक सरोकार, स्वास्थ्य जागरूकता, व्यावसायिक संपर्क, डिजिटल जागरूकता और पारिवारिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा। सप्ताह के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संस्था के सदस्यों के साथ युवाओं और आमजन की भी सहभागिता रहेगी। कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरूआत 9 सितंबर को दुगाकुंड स्थित श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार अंध विद्यालय में दोपहर 12 बजे ह्यसतत पेय दिवसह्ण के आयोजन से

होगी। इसके बाद 10 सितंबर को मलदहिया स्थित माइक्रोटेक कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में ह्ययुवा नेतृत्व एवं अभिव्यक्ति दिवसह्ण मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता को प्रोत्साहित करना है। 11 सितंबर को मैदागिन स्थित कंपनी गार्डन में सुबह 7:30 बजे निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं डिजिटल जागरूकता दिवस आयोजित किया जाएगा। शिविर के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग की जानकारी दी जाएगी। 12 सितंबर को कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत होटल श्रीगो इन में सुबह 8:30 बजे 'व्यापार एवं संपर्क विकास दिवस' आयोजित होगा। इसमें व्यावसायिक संपर्कों को मजबूत करने और नए अवसरों की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। इसी दिन रात 8 बजे सिगरा स्थित आईपी मॉल के पिच एंड पैडल में ह्यपारिवारिक सहभागिता दिवसह्ण मनाया जाएगा। इसमें संस्था के सदस्यों और उनके परिवारों के बीच आपसी जुड़ाव एवं सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सप्ताह का समापन 13 सितंबर को महमूरगंज स्थित होटल संकल्प बनारस में सुबह 11 बजे आयोजित होने वाले 'द 777 महान दिवस समारोह' के साथ होगा। समारोह में सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की उपलब्धियों और सदस्यों की सहभागिता को रेखांकित किया जाएगा। जेसीआई काशी शिवा की ओर से बताया गया कि 'द 777 जेसीआई सप्ताह 2026' केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, बल्कि युवाओं को नेतृत्व, सामाजिक जिम्मेदारी, स्वास्थ्य, व्यवसाय और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने की एक सार्थक पहल है। संस्था ने युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यावसायिक समुदाय, जेसीआई सदस्यों और आमजन से सभी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता की अपील की है। आयोजन को सफल बनाने के लिए जेसीआई काशी शिवा के विभिन्न सदस्यों को कार्यक्रमों के संयोजक एवं निदेशक के रूप में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

साइबर ठगी के 77 हजार रुपये पुलिस ने कराए वापस

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहार। साइबर ठगी के शिकार हुए युवक के खाते में थाना अहार पुलिस ने अथक प्रयास कर 77 हजार रुपये की धनराशि वापस करा दी। रकम वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस का आभार जताते हुए पुलिस टीम की प्रशंसा की। पुलिस के अनुसार ग्राम मौहरसा निवासी आदित्य शर्मा ने 8 अगस्त 2026 को एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत संख्या 33108260198803 में उन्होंने अज्ञात व्यक्ति पर साइबर ठगी कर रुपये निकालने का आरोप लगाया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक अपराध नरेश कुमार के पर्यवेक्षण में थाना अहार की साइबर हेल्प डेस्क ने मामले में कार्रवाई करते हुए अथक प्रयास से 77,000 रुपये की धनराशि पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता संख्या, पिन, ओटीपी, सीवीवी आदि साझा न करें।

डी.जी.आर. ग्रुप ऑफ एजुकेशन में सी.बी.एस.ई. क्लस्टर-19 टेबल टेनिस टूनार्मेंट 2026 का भव्य समापन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डी.जी.आर. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के तत्वावधान में डी.जी.आर. पब्लिक स्कूल, पटला, मोदीनगर में आयोजित सी.बी.एस.ई. क्लस्टर-19 टेबल टेनिस टूनार्मेंट 2026 का भव्य एवं सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न सी.बी.एस.ई. विद्यालयों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्गों की टीम एवं व्यक्तिगत स्पधाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बालिका टीम स्पर्धा के अंडर-14 वर्ग में जे.के.जी. इंटरनेशनल स्कूल, इंदिरापुरम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कोठारी इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा द्वितीय स्थान पर रहा। डी.जी.आर. पब्लिक स्कूल, पटला, मोदीनगर तथा फॉर्च्यून वर्ल्ड स्कूल, नोएडा संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। अंडर-17 वर्ग में जे.के.जी. इंटरनेशनल स्कूल विजेता तथा सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल, वसुंधरा उपविजेता रहा। अंडर-19 वर्ग में बाल भारती पब्लिक स्कूल, नोएडा ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। व्यक्तिगत स्पधाओं में अंडर-14 वर्ग में काव्या सरीन, अंडर-17 में अक्षिता तथा अंडर-19 में याशिका तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में पूर्व विधायक सुदेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विद्यालय के अध्यक्ष गुलबीर सिंह ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों, विद्यालयों एवं प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं दीं तथा आयोजन को सफल बनाने वाली पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय की निदेशक-प्रधानाचार्या डॉ. सोनल चौधरी ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागी विद्यालयों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों एवं आयोजन समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निखारने तथा उच्च स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती हैं। समारोह मे गुड्डू गुप्ता, अतुल शिवाच, नदीम चौधरी, कपिल कुमार, नीरज शर्मा एवं श्रीमती पूनम कुमारी सहित आयोजन समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पदक, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।डी.जी.आर. ग्रुप ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता ने खेल प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान किया तथा विद्यालय की खेलों एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

श्रीकृष्ण की छठी पर श्री कान्हा मित्र मंडल ने लगाया भंडारा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भगवान श्रीकृष्ण की छठी के अवसर पर श्री कान्हा मित्र मंडल की ओर से बस स्टैंड के सामने गांधी मार्केट के बाहर भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन चौधरी मौजूद रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करते हुए भगवान श्रीकृष्ण से सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। मंडल के सदस्यों ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में विकास जायसवाल, अनुज खन्ना, श्याम ढींगरा, सूरज गर्ग, राजू रोहिल्ला, अश्वनी गुप्ता, देवराज मित्तल, संजय सिंघल, विकास कुमार एवं रवि भूटानी मौजूद रहे।

लड्डू गोपाल जी की छठी पर श्री श्याम सेना ट्रस्ट ने कराया विशाल भंडारा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री श्याम सेना ट्रस्ट के तत्वावधान में बुधवार को श्री लड्डू गोपाल की छठी के पावन अवसर पर छठी महोत्सव एवं विशाल भंडारा सेवा का भव्य आयोजन किया गया। अमेरिकन इंस्टीट्यूट के नीचे, गुरुद्वारा रोड, मोदीनगर में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और श्रद्धापूर्वक कड़ी-चावल का प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण एवं बाबा श्याम के जयकारे लगाए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परम पूज्य गुरुदेव श्री अशोक शास्त्री जी महाराज के सानिध्य में आयोजन को विशेष आध्यात्मिक गरिमा प्राप्त हुई। गुरुदेव ने श्रद्धालुओं को सेवा का महत्व बताते हुए कहा कि 'सेवा ही परमो धर्म है। कार्यक्रम में मोदीनगर नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने श्री श्याम सेना ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की।

ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष नीरज कुमार गुप्ता ने कहा कि श्री श्याम सेना ट्रस्ट का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है।नगर अध्यक्ष सोनम शर्मा ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा आयोजित छठी महोत्सव एवं भंडारा सेवा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का पहुंचना बाबा श्याम और लड्डू गोपाल के प्रति लोगों की आस्था को दशार्ता है।कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष नीरज कुमार गुप्ता ने परम पूज्य गुरुदेव अशोक शास्त्री महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए मुख्य अतिथि विनोद वैशाली, सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं हजारों श्रद्धालुओं का आभार जताया। कार्यक्रम में श्री श्याम सेना ट्रस्ट के राष्ट्रीय सहसचिव प्रफुल्ल अग्रवाल, नगर उपाध्यक्ष राजेंद्र जी, नगर कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, नगर मंत्री उषा जी, नगर सहसचिव तरुण खुराना, पूनम, मोहनलाल गुप्ता, वीरेंद्र, हर्ष कौशिक, यश, रोहित सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंडलीय कुश्ती में प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवानों को किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। विद्यालीय खेलकूद मंडलीय कुश्ती में प्रतियोगिता में आदर्श जनता इंटर कॉलेज फरीदनगर के बालक व बालिका अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्टेट के लिए क्वालीफाई किया।

मंडलीय प्रतियोगिता प्रतियोगिता का आयोजन जहांगीराबाद, बुलंदशहर में हुआ। इस प्रतियोगिता में आदर्श जनता इंटर कॉलेज फरीदनगर के बालक वर्ग में पहलवान अर्जुन कुमार और बालिका वर्ग में पहलवान अंशु ने अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्टेट के लिए क्वालीफाई किया। विद्यालय पहुंचने पर खेल शिक्षक अशोक कुमार, खेल प्रभारी एवं टीम मैंटर प्रेम चौधरी एवं पहलवानों का स्वागत किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह तोमर ने खिलाड़ियों, शिक्षकों, पहलवानों और कोच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अभिषेक चौधरी की भी प्रशंसा की।

गत वर्ष की प्रतियोगिता में भी विद्यालय के दो पहलवानों ने कांस्य पदक प्राप्त किए। विद्यालय के मीडिया प्रभारी प्रेम चौधरी ने बताया कि पहलवान सुबह के समय मैट पर और शाम को मिट्टी के अखाड़े में अंतरराष्ट्रीय पहलवान अभिषेक चौधरी खंजरपुर के निर्देशन में पहलवानी कर रहे हैं।

गिन्नी देवी कॉलेज में हेल्दी मॉकटेल एवं आहार प्रदर्शनी का किया गया सफल आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर गिन्नी देवी मोदी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'हेल्दी मॉकटेल एवं आहार प्रदर्शनी' का सफल आयोजन किया गया।राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में गिन्नी देवी मोदी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'आहार सप्ताह' के सातवें दिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में 'हेल्दी मॉकटेल एवं खाद्य जागरूकता प्रतियोगिता' का विशेष आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए प्राकृतिक फलों, जड़ी-बूटियों (पुदीना, तुलसी, नीबू, अदरक) और पोषक तत्वों से भरपूर ताजा, बिना अल्कोहल व बिना कृत्रिम रंगों वाले पौष्टिक मॉकटेल तैयार किए। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक और संतुलित व्यंजन भी प्रदर्शित किए गए। छात्राओं ने अतिथियों को मॉकटेल और व्यंजनों में मौजूद पोषक तत्वों और उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूनम शर्मा ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर छात्राओं द्वारा बनाए गए मॉकटेल व व्यंजनों का स्वाद परीक्षण किया। अतिथियों ने छात्राओं के इस प्रयास, प्रस्तुतिकरण और पोषण संबंधी समझ की भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्राचार्या डॉ. पूनम शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को जंक फूड व डिब्बाबंद पेयों के दुष्प्रभावों से बचाना और उन्हें प्राकृतिक पेय व संतुलित आहार अपनाने के लिए जागरूक करना है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. चेतना, डॉ. मीनू अग्रवाल, डॉ. राखी मित्तल, डॉ. शिखा, डॉ. नम्रता, डॉ. ईशा, डॉ. राखी, आशी एवं गायत्री का विशेष और महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में हरित निर्माण सप्ताह का शुभारंभ

विद्यार्थियों को हरित भवन और सतत शहरों की दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। डासना स्थित एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की ओर से प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट के सहयोग से पीजेएमटी विश्व हरित भवन सप्ताह 2026 का शुभारंभ किया गया। सात से 11 सितंबर तक चलने वाले इस आयोजन का उद्घाटन सात सितंबर को विश्वविद्यालय परिसर में हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को हरित भवन, सतत निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूक किया गया। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय की संस्थापक न्यासी पायल जैन, कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसेनजीत कुमार, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. (डॉ.) जयदीप कुमार, सतत निर्माण के वरिष्ठ सलाहकार संदीप नारंग, सतत शहर एवं परिवहन के वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक प्रयाश गिरिया और स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, प्लानिंग एंड डिजाइन की निदेशक प्रो. अंजलि क्वात्रा मौजूद रहीं। समारोह के दौरान पायल जैन ने अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।इसके बाद कुलपति और निदेशक ने पीजेएमटी टीम तथा वाईएलएसी के सदस्यों को पौधे और स्मृति-चिह्न भेंट किए। पायल जैन ने कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसेनजीत कुमार और प्रयाश गिरिया को पुस्तकें भी भेंट कीं। कार्यक्रम में पीजेएमटी पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. (डॉ.) जयदीप कुमार ने स्वागत संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को हरित निर्माण की आधुनिक अवधारणाओं से जोड़ने के साथ ही उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रयाश गिरिया ने विद्यार्थियों से सतत शहरों, पर्यावरणीय विकास और भविष्य के निर्माण में हरित तकनीक की भूमिका पर चर्चा की। विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे, जिनका वक्ताओं ने विस्तार से जवाब दिया। संवादात्मक सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को सतत शहरी विकास की चुनौतियों और संभावनाओं की जानकारी मिली। इस अवसर पर पीजेएमटी राष्ट्रीय हरित पृथ्वी चुनौती 2026 का परिचयात्मक सत्र भी आयोजित किया गया।

दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन का असर, गाजियाबाद के बॉर्डरों पर बढ़ी पुलिस की चौकसी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दिल्ली में प्रस्तावित ब्रिक्स सम्मेलन की संवेदनशीलता को देखते हुए कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने जिलेभर में विशेष सतर्कता बढ़ा दी है। बुधवार को सीमापुरी बॉर्डर, एमसीडी टोल प्लाजा समेत प्रमुख प्रवेश मार्गों पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग की गई। मॉल, बाजार और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस टीमों ने पैदल गश्त और मोबाइल पेट्रोलिंग के जरिए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया। सीसीटीवी कैमरों और तकनीकी संसाधनों से निगरानी बढ़ाने के साथ संवेदनशील स्थानों पर इंटेलिजेंस यूनिट को सक्रिय रखा गया है। ड्रोन कैमरों से भी भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। अधिकारियों के अनुसार सम्मेलन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार सतर्कता बरती जा रही है।

बेटी के साथ घर लौट रही महिला को कार में खींचकर जंगल ले जाने का आरोप

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में जन्माष्टमी के दौरान अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ घर लौट रही महिला को कार सवार तीन लोगों द्वारा जबरन कार में बैठाकर जंगल की ओर ले जाने का मामला सामने आया है। महिला ने आरोप लगाया है कि कार में हाजी सलमान ने उसकी नाबालिग बेटी के साथ अश्लील हरकत की। विरोध करने पर आरोपियों ने मां-बेटी के साथ मारपीट की और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने हाजी सलमान समेत तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि तीन सितंबर की रात करीब नौ बजे वह अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ गुरुद्वारे के पास से घर लौट रही थी। इसी दौरान सफेद रंग की कार में सवार तीन लोगों ने उन्हें रोक लिया और घर छोड़ने की बात कही। महिला के मना करने पर आरोप है कि तीनों ने मां-बेटी को जबरन कार में खींच लिया और जंगल की ओर ले गए। महिला का आरोप है कि कार में हाजी सलमान ने उसकी नाबालिग बेटी के साथ गंभीर अश्लील हरकत की।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने छीनी युवा सिपाही की जिंदगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लोनी क्षेत्र में बंथला-चिरौड़ी मार्ग पर मंगलवार को हुए सड़क हादसे में पुलिस विभाग के युवा सिपाही की मौत हो गई। थाने से बंथला चौकी ड्यूटी पर जाते समय ऑटो में आगे बैठे सिपाही सूरज को तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल सिपाही को पुलिस ने तत्काल कौशांबी स्थित अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। मूल रूप से आगरा के ग्राम गढ़ी ठाकुरदास निवासी 24 वर्षीय सूरज वर्ष 2025 बैच के सिपाही थे। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उनकी पहली तैनाती लोनी थाने में हुई थी। वर्तमान में वह बंथला चौकी पर तैनात थे। महज कुछ समय पहले पुलिस सेवा में कदम रखने वाले सूरज की सड़क हादसे में हुई मौत से उनके परिजनों और साथी पुलिसकर्मियों में गहरा दुख है। एसीपी लोनी रामकिशन के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब 4:30 बजे सिपाही सूरज लोनी थाना से बंथला चौकी जाने के लिए ऑटो में आगे की सीट पर बैठे थे। ऑटो जैसे ही बंथला-चिरौड़ी मार्ग पर बालाजी नेत्रालय के पास पहुंचा, उसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सिपाही सूरज के दाएं पैर की जांघ की हड्डी टूट गई और वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल सिपाही को उपचार के लिए कौशांबी स्थित अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए उपचार शुरू किया, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस के अनुसार दुर्घटना को अंजाम देने के बाद ट्रैक्टर-ट्राली का चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस का प्रयास है कि फुटेज के आधार पर दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान कर आरोपी चालक तक जल्द पहुंचा जा सके। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस टीम आरोपी वाहन चालक की तलाश में जुटी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। सूरज वर्ष 2025 बैच में पुलिस विभाग में भर्ती हुए थे। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद लोनी थाने में उनकी पहली तैनाती हुई थी। युवा उम्र में पुलिस सेवा में आए सूरज के सामने अपने करियर को आगे बढ़ाने और परिवार का सहारा बनने के कई सपने थे, लेकिन सड़क हादसे ने उनके जीवन का सफर असमय खत्म कर दिया।

शिक्षक दिवस पर प्रधानाचार्य को शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए किया गया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद अग्रवाल को शिक्षक दिवस पर माध्यमिक शिक्षा विभाग जनपद गाजियाबाद ,जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया ।यह सम्मान शिक्षा में उत्कृष्टता और नवाचार के लिए अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप और जिला विकास अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्धप्रिय सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। यह सम्मान उनको विद्यालय में अध्यनरत छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय परिवेश में शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार की दृष्टिगत किए गए सराहनीय और शिक्षा के उत्थान के लिए समर्पण भाव से किए गए कार्यों के परिपेक्ष में प्रदान किया गया। प्रधानाचार्य ने बताया कि यह सम्मान केवल मेरा ही नहीं विद्यालय के प्रत्येक शिक्षक का सम्मान है शिक्षक केवल पढ़ाते ही नहीं बल्कि भविष्य गढते हैं। शिक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षक राष्ट्र के भविष्य के वास्तविक शिल्पकार होते हैं। विद्यालय के छात्र प्रतिवर्ष हाई स्कूल ,इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में जनपद में मेरिट में स्थान बनाते हैं समारोह में उपस्थित शिक्षा अधिकारी यों ने शिक्षा के क्षेत्र में और छात्रों के सवांगीण विकास हेतु और अधिक ऊर्जा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

गरीबों के उत्पीड़न पर विधानसभा समिति सख्त, योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचाने के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में बुधवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा की सरकारी आश्वासन संबंधी समिति (2025-26) की बैठक हुई। समिति के संयोजक एवं विधायक मनोज कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, सीडीओ कुमार सौरभ समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

समिति ने जीडीए, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण, आपूर्ति, नगर विकास, लोक निर्माण और जल निगम सहित विभागों से वर्ष 2025-26 में किए गए निरीक्षण, जांच, नोटिस, सीलिंग और कार्रवाई का विस्तृत ब्योरा मांगा। समिति ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गरीब, कमजोर और बेसहारा लोगों का उत्पीड़न किसी भी स्थिति में न हो। सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक

पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। आयुष्मान कार्डधारकों को निजी अस्पतालों में उपचार के दौरान परेशानी न हो। साथ ही स्वच्छ पेयजल, साफ सड़कें, स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। हिण्डन नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए भी प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में डीएम ने सुनीं फरियाद, अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर जिलेभर से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। बड़ी संख्या में फरियादियों ने भूमि विवाद, अवैध कब्जे व अतिक्रमण, रास्ते, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति, बिजली, नाली और साफ-सफाई समेत विभिन्न समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी को सौंपे। डीएम ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के साथ शिकायतकर्ता को कार्रवाई की जानकारी भी दी जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जनसुनवाई में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, सीडीओ कुमार सौरभ, डीएफओ ईशा तिवारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रीन जोन पर कब्जे के आरोप, जिम्मेदार विभागों की निगरानी पर सवाल

- डीपीएस स्कूल के सामने ठेले-पटरी कारोबार से सार्वजनिक क्षेत्र प्रभावित होने का दावा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विजयनगर क्षेत्र में डीपीएस स्कूल के सामने, सिद्धार्थ नगर-विजयनगर चौराहे और विधायक संजीव शर्मा के आवास के आसपास ग्रीन जोन व डिवाइडर क्षेत्र में कथित अतिक्रमण को लेकर स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है। आरोप है कि इन स्थानों पर लंबे समय से सब्जी के ठेले, सिलाई मशीन और अन्य पटरी कारोबार संचालित हो रहे हैं। इससे हरित क्षेत्र के साथ पैदल आवागमन और यातायात प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभागों से मौके का स्थलीय निरीक्षण कर भूमि के भू-उपयोग की जांच कराने की मांग की है। नियम विरुद्ध कब्जे मिलने पर कार्रवाई के साथ ग्रीन जोन की सुरक्षा के लिए घेराबंदी, सूचना-पट्ट, सफाई और सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था करने की मांग की गई है।

कनावनी पुलिया पर पुलिस मुठभेड़, अंतर्राष्ट्रीय वाहन चोर समेत दो गिरफ्तार

चोरी की ब्रेजा कार, तमंचा व कारतूस बरामद; घायल आरोपी अस्पताल में भर्ती

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद की स्वाट टीम अपराध शाखा और थाना इंदिरापुरम पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के दौरान अंतर्राष्ट्रीय वाहन चोर समेत दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से इंदिरापुरम क्षेत्र से चोरी की गई ग्रे रंग की ब्रेजा कार, एक तमंचा .315 बोर, दो खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार कनावनी पुलिया पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध ब्रेजा कार को रोकने का प्रयास किया गया। चालक पुलिस से बचने के लिए कार मोड़कर भागने लगा।

पीछा करने पर कार सड़क किनारे टकरा गई। इसके बाद आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में चालक गुड्डू कुमार (43) के पैर में गोली लगी, जबकि कॉम्बिंग के दौरान छोटू कुमार (36) को गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

बरामद कार के संबंध में थाना इंदिरापुरम में मुकदमा दर्ज है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

4% आबादी भूखंड को लेकर किसानों का आर-पार का ऐलान, 20 सितंबर को लखनऊ कूच

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)।4 प्रतिशत आबादी भूखंड की मांग को लेकर किसानों ने अब आंदोलन को निर्णायक मोड़ देने का फैसला किया है। बिरौंडा गांव में आयोजित पंचायत में किसानों ने सर्वसम्मति से 20 सितंबर को लखनऊ कूच करने का निर्णय लिया।

चौधरी प्रकाश प्रधान और राकेश भाटी के नेतृत्व में किसान करीब 5-6 बसों और 5-6 कारों से सुबह नौ बजे लखनऊ रवाना होंगे। किसानों ने कहा कि लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर अपनी वर्षों पुरानी समस्या से अवगत कराया जाएगा। किसानों का कहना है कि 4 प्रतिशत आबादी भूखंड का मुद्दा लंबे समय से लंबित है, लेकिन अभी तक इसका उचित समाधान नहीं हुआ है। पंचायत में निर्णय लिया गया कि समाधान होने तक किसान लखनऊ से वापस नहीं लौटेंगे। किसानों ने एकजुट होकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने और मांग पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

मोबाइल चोरों पर पुलिस का शिकंजा, 500 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर मालिकों को लौटाए

एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत के मोबाइल बरामद, CEIR पोर्टल और तकनीकी निगरानी से मिली सफलता

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। ट्रांस हिंडन जोन पुलिस ने चोरी एवं गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से 500 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सत्यापन के बाद वापस सौंप दिए। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है।

बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में जब 500 मोबाइल फोन एक साथ रखे गए तो पूरा नजारा मोबाइल शोरूम जैसा दिखाई दिया। अलग-अलग थानों में दर्ज शिकायतों के आधार पर पुलिस ने उएक्क्रपोर्टल के माध्यम से कार्रवाई शुरू की। साइबर एवं सर्विलांस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, सर्विलांस और मैनुअल इनपुट की मदद से विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन ट्रेस किए। थानावार कार्रवाई में कौशाम्बी से 111, इंदिरापुरम से 100, साहिबाबाद से 81, खोड़ा से 66, टीला मोड़ से 54, शालीमार गार्डन से 45 और लिंक रोड से 43 मोबाइल बरामद किए गए।

लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी नजर आई। पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल लोगों को आर्थिक राहत मिली, बल्कि मोबाइल में सुरक्षित महत्वपूर्ण डेटा और यादों की भी वापसी हुई।

'लक्ष्य तय करें, अनुशासन अपनाएं और समय का सदुपयोग करें'–छात्रों से बोले एसीपी राजकरन नैय्यर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। युवाओं के सर्वांगीण विकास, जीवन कौशल और करियर निर्माण को लेकर बुधवार को श्री सनातन धर्म इंटर कॉलेज में छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की सीख दी। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने करियर और भविष्य से जुड़े सवाल पूछे, जिनका एसीपी ने विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने आईएएस, आईपीएस, भारतीय वन सेवा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उपलब्ध करियर विकल्पों की जानकारी दी। साथ ही उच्च शिक्षा, रोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों पर भी चर्चा की। राजकरन नैय्यर ने अपने सेवाकाल के अनुभव विद्यार्थियों से साझा करते हुए जनसेवा की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने छात्रों को सकारात्मक सोच के साथ निरंतर मेहनत करने और आत्मअनुशासन के जरिए अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

गर्भवती महिलाओं के पोषण पर जोर, 125 माताओं को मिली प्रोटीन पाउडर व पोषण पोटली

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। संजय नगर स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय में बुधवार को मातृत्व पोषण आहार कार्यक्रम आयोजित किया गया। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3012 की प्रथम महिला रो. स्वाति गुप्ता और रेड क्रॉस गाजियाबाद के निवर्तमान सभापति सुभाष गुप्ता के सौजन्य से हुए कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल मुख्य अतिथि रहीं।

कार्यक्रम में एसीपी प्रियाश्री पाल ने 125 गर्भवती महिलाओं को 'पोषण पोटली' और प्रोटीन पाउडर वितरित किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए शुरू की गई इस पहल की सराहना करते हुए रोटरी परिवार का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान संतुलित और पौष्टिक आहार मां और गर्भस्थ शिशु दोनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। इस दौरान महिलाओं को पोषणयुक्त भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और गर्भावस्था में संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। आयोजकों के अनुसार रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3012 और संबद्ध रोटरी क्लबों के सहयोग से यह कार्यक्रम हर माह आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम का संदेश रहा–'पोषित जच्चा, तो स्वस्थ बच्चा।'

दुर्गा, काली, सरस्वती पूजा और गणेश चतुर्थी के आयोजकों को बड़ी राहत

पार्कों की बुकिंग दरों में महापौर ने दी 80 प्रतिशत छूट

वेलकम इंडिया संवाददाता

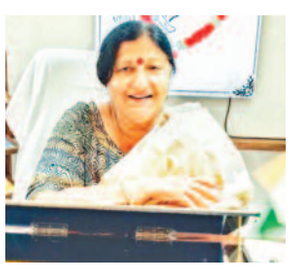

गाजियाबाद। शहर में दुर्गा, काली, सरस्वती पूजा और गणेश चतुर्थी के आयोजकों को नगर निगम ने बड़ी राहत दी है। महापौर ने उद्यान विभाग के अंतर्गत आने वाले पार्कों की बुकिंग दरों में 80 प्रतिशत छूट देने के आदेश जारी किए हैं। यह छूट वित्तीय वर्ष 2026-27 में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों के लिए लागू होगी। आयोजकों को पूर्व निर्धारित स्थलों पर सभी नियम और शर्तों के तहत आयोजन की अनुमति दी जाएगी। गाजियाबाद नगर निगम सीमा क्षेत्र के विभिन्न पार्कों में हर वर्ष दुर्गा, काली और सरस्वती पूजा के साथ गणेश चतुर्थी के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। धार्मिक आस्था से जुड़े इन आयोजनों के लिए पूजा समितियां लंबे समय से पार्कों की बुकिंग फीस में छूट की मांग कर रही थीं। आयोजकों का कहना था कि शुल्क

अधिक होने के कारण धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन में आर्थिक परेशानी आती है। मामले को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने नगर आयुक्त और संबंधित अधिकारियों के साथ वार्ता की। विचार-विमर्श के बाद महापौर ने नगर निगम सदन द्वारा निर्धारित पार्क बुकिंग दरों में 80 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया। इसके बाद अधिकारियों को आदेश जारी कर सभी पात्र आयोजकों को निर्धारित नियमों के तहत अनुमति देने के निर्देश दिए गए हैं। महापौर ने कहा कि दुर्गा, काली, सरस्वती पूजा और गणेश चतुर्थी शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े प्रमुख आयोजन हैं। नगर निगम का उद्देश्य है कि समितियों को आवश्यक सहयोग मिले और वे इन कार्यक्रमों को श्रद्धा, उत्साह और व्यवस्थित तरीके से आयोजित कर सकें। उन्होंने कहा कि छूट मिलने से पूजा समितियों को आर्थिक राहत मिलेगी और आयोजनों में भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता तथा अन्य व्यवस्थाओं में नगर निगम सहयोग करेगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, आयोजन समितियों को पार्क आरक्षित कराने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे और आयोजन के दौरान नगर निगम की ओर से जारी सभी नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। आयोजकों को स्वच्छता, सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी भी निभानी होगी।

सड़क पार कर बहन को ऑटो में बैठाने गए युवक को कार ने रौंदा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। क्रिश्चियन नगर बागू में सड़क पार कर अपनी बहन को ऑटो में बैठाने गए युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के पिता की शिकायत पर वेव सिटी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्रिश्चियन नगर बागू निवासी ब्रजपाल उर्फ मटरू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा सरल बीती तीन सितंबर को अपनी बहन दीपा को सड़क पार कराकर ऑटो में बैठाने के लिए गया था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने सरल को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसा इतना भीषण था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी।